दैनिक सांध्यकालीन

मेट्रो खबर

APPROVED BY DAVP
डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

वर्ष-15 अंक-337 | भोपाल, बुधवार 04 जून 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

पचमढ़ी में मोहन कैबिनेट की बैठक, विजय शाह नहीं पहुंचे

राजा भभूत सिंह के नाम होगा पचमढ़ी वन्य जीव अभ्यारण्य, हो गया फैसला

भोपाल। मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में हुई मोहन यादव कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया है। पचमढ़ी वन्य जीव अभ्यारण का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर करने का निर्णय लिया गया है। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि राजा भभूत सिंह की कर्म भूमि, जन्म भूमि पर कैबिनेट की हुई है। उन्होंने मक्खियों से अंग्रेजों को भगाने का काम किया। वे नर्मदा अंचल के शिवाजी कहलाते थे। इससे पहले पचमढ़ी के राजभवन में राजा भभूत सिंह की स्मृति एवं जनजातीय समाज के कल्याण को समर्पित कैबिनेट बैठक पचमढ़ी में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के साथ शुरू हुई। कैबिनेट बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह शामिल नहीं हुए हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने के बाद ये लगातार तीसरी कैबिनेट बैठक है, जिसमें शाह नहीं है। बता दें कि विजय शाह के बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनाई गई एसआईटी टीम इस मामले में जांच कर रही है। 5 जून को उज्जैन में वेलनेस समिट का आयोजन किया जाएगा। 9 जून को पीएम मोदी के कार्यकाल के 11 साल पूरे होंगे। इसको लेकर कार्यक्रम किए जाएंगे। राजस्व विभाग में 500 पदों को खत्म कर 1200 पदों का सृजन करने का फैसला किया गया है। इसमें आईटी के पदों को ज्यादा महत्व दिया जाएगा। जिससे कि समस्या के तुरंत समाधान हों। राजस्व विभाग में प्रमुख राजस्व आयुक्त और आयुक्त अभिलेख को आपस में मर्ज किया गया है। नया पद कमिश्नर लैंड रिसॉर्स मैनेजमेंट के नाम से होगा। श्रम विभाग में संशोधन को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है। जहां महिलाएं सुरक्षित तरीके से रात में काम कर सकती हैं, वहां पर काम कर सकती हैं।

पांच विवादित इलाकों में बॉर्डर पिलर लगाएंगे असम-मेघालय

- 15 अगस्त तक पूरा होगा काम, इन्हें लेकर 2022 में हुआ था समझौता

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम और मेघालय के बीच लंबे समय से चल रहे सीमा विवाद को सुलझाने की दिशा में दोनों राज्यों ने एक अहम कदम उठाया है। दोनों राज्यों की सरकारों ने सोमवार को घोषणा की कि 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस तक पांच विवादित इलाकों में बॉर्डर पिलर लगाए जाएंगे। यह जानकारी दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दी। ये पांच इलाके उन छह विवादित क्षेत्रों में शामिल हैं, जिनमें से कुल 12 विवादित क्षेत्रों को सुलझाने के लिए असम और मेघालय ने मार्च 2022 में एक समझौता किया था। गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, जिन छह क्षेत्रों को लेकर समझौता हुआ था, उनमें से पांच में 15 अगस्त तक बॉर्डर पिलर लगाने की कोशिश करेंगे। इनमें से एक इलाके को लेकर कुछ असहमति है।

विवादित बयान के 17 दिन बाद दिखे मंत्री विजय शाह

- खंडवा में गैंगरेप पीड़िता के घर पहुंचे, पढ़ाई छोड़ चुकी बेटी को स्कूल भेजा

भोपाल। जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह अब उनके विधानसभा क्षेत्र में लौट आए हैं। सोमवार शाम को खंडवा पहुंचकर शाह हरसूद में गैंगरेप पीड़िता के परिवार से मिले। उन्होंने परिवार को आर्थिक सहायता के रूप में 60 हजार रुपए के चेक दिए और घर की छत के लिए टीनशेड की व्यवस्था की। बता दें, कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए विवादित बयान के बाद शाह का विरोध हो रहा था। इसके बाद 14 मई से ही वह क्षेत्र में नजर नहीं आए थे। 23 मई को हरसूद विधानसभा क्षेत्र में हुई महिला से गैंगरेप और हत्या के मामले में मंत्री शाह ने पीड़ित परिवार से दो घंटे तक मुलाकात की।

उन्होंने परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया और कहा कि हालांकि परिवार को हुई क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन सरकार उनके दुख में साथ खड़ी है। मंत्री ने परिवार के कच्चे मकान के लिए 30 टीन और एंगल पाइप की व्यवस्था की। स्वेच्छानुदान से 60 हजार रुपए के चेक दिए और संबल योजना के तहत 4 लाख रुपए की सहायता का आश्वासन दिया। पीड़ित परिवार की आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग पर उन्होंने कठोरतम कार्रवाई का आश्वासन दिया। मंत्री शाह ने पीड़िता के परिवार में एक बच्ची, जिसने कक्षा सातवीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी, उसे पुनः स्कूल भेजने की व्यवस्था की। उन्होंने क्षेत्र में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की निगरानी के लिए मासिक मॉनिटरिंग बैठकों का भी निर्देश दिया।

वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन के लिए अब होगा पोर्टल लॉन्च

- मोदी सरकार की तैयारी,6 जून को लॉन्च होगा उम्मीद पोर्टल

छह महीने के अंदर सभी संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन होगा जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार 6 जून को 'उम्मीद' पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इसका मकसद वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। 'उम्मीद' का पूरा नाम है- यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी और डेवलपमेंट। यह एक सेंट्रल पोर्टल होगा, जिस पर देशभर की वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, पोर्टल लॉन्च होने के छह महीने के भीतर सभी वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करना अनिवार्य होगा। इस पर संपत्तियों का पूरा विवरण देना होगा, जैसे- लंबाई, चौड़ाई और जियो टैग की गई लोकेशन। अगर किसी संपत्ति का नाम किसी महिला के नाम पर दर्ज है, तो उसे वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। रजिस्ट्रेशन के लिए

दो महीने का अतिरिक्त समय दिया जा सकता है रजिस्ट्रेशन का काम संबंधित राज्य वक्फ बोर्ड करेंगे। अगर किसी वजह से तकनीकी या अन्य कारणों से समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया, तो 1 से 2 महीने की अतिरिक्त मोहलत दी जा सकती है। लेकिन अगर फिर भी संपत्ति रजिस्टर्ड नहीं होती, तो उसे विवादित मानते हुए वक्फ ट्रिब्यूनल के पास भेजा जाएगा। वक्फ संपत्तियों से मिलने वाले फायदों का अहम मकसद महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को मदद देना रहेगा। यह पोर्टल हाल ही में पास हुए वक्फ (संशोधन) बिल, 2025 के तहत लॉन्च किया जा रहा है। यह बिल संसद में बहस के बाद पास हुआ था और 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसकी मंजूरी दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 22 मई को वक्फ बिल पर फैसला सुरक्षित रखा था 22 मई को सुप्रीम कोर्ट में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देनी वाली याचिकाओं सुनवाई खत्म हुई। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को सुरक्षित रखा था। याचिकाकर्ताओं ने कानून को मुसलमानों के अधिकारों के खिलाफ बताया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर 'इंडिया' की बैठक, 16 दल शामिल

प्रधानमंत्री से की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए इंडिया ब्लॉक की मंगलवार को नई दिल्ली में बैठक हुई। इसमें 16 विपक्षी पार्टियों ने हिस्सा लिया।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने जानकारी दी कि सभी दलों ने पीएम को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की गई है। आम आदमी पार्टी मीटिंग में शामिल नहीं हुई। डेरेक ने बताया कि एएपी बुधवार को प्रधानमंत्री को अलग से चिट्ठी भेजेगी। बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रीय जनता दल, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, विदुथलाई चिरुथैगल काची, केरल कांग्रेस, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन शामिल हुई। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखने के लिए केंद्र सरकार ने 7 ऑल पार्टी डेलिगेशन को वर्ल्ड टूर पर भेजा है। इस हफ्ते के अंत तक सभी डेलिगेशन वापस भारत लौट जाएंगे।

असम में बाढ़ से बिगड़ गए हैं हालात, 5.5 लाख लोग फंसे

- पूर्वोत्तर में हाहाकार, मरने वालों की संख्या 40 के पार पहुंची

गुवाहाटी/गंगटोक (एजेंसी)। पूर्वोत्तर के कई राज्यों में बारिश ने कहर बरपाया है। बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से लाखों लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। करीब 40 मौत हो चुकी हैं। असम में ही 22 जिलों में 5.35 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि एक व्यक्ति की मौत हो जाने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। बयान के अनुसार, असम में 15 नदियां उफान पर हैं। उधर, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, सिक्किम आदि राज्यों में भी हालात खराब हैं। सेना और अन्य एजेंसियों के हजारों कर्मी बचाव और राहत के कामों में जुटे हैं। भूस्खलन की वजह से बंद रास्तों और खराब मौसम के बीच कई जगह बचाव और राहत के कार्यों में दिक्कतें भी आ रही हैं। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों लखीमपुर है।

देश के नागरिकों के लिए जल जमीन और भाषा सबसे अहम

- कमल हासन से हाईकोर्ट बोला-क्या आप इतिहासकार हैं ● ऐक्टर ने कहा था- कन्नड़ भाषा तमिल भाषा से निकली

चेन्नई (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक्टर-डायरेक्टर और नेता कमल हासन को कन्नड़ भाषा पर टिप्पणी को लेकर मंगलवार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि क्या आप इतिहासकार हैं या भाषाविद। आप कमल हासन हों या कोई और, आपके पास किसी भी व्यक्ति की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं है। जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा, इस देश का विभाजन भाषा के आधार पर है। नागरिकों के लिए जल, जमीन और भाषा मायने रखते हैं। आपके बयान की वजह से अशांति फैली है। कर्नाटक के लोगों ने आपसे सिर्फ माफी की उम्मीद की थी। आप सुरक्षा मांगने यहां आ गए। बेंच ने आगे कहा- आप चाहते हैं कि आपकी फिल्म कर्नाटक में रिलीज हो, लेकिन आप माफी मांगने के लिए तैयार नहीं हैं। आपको पता है कि यह फिल्म कितनी जरूरी है क्योंकि इसे मणिरत्नम ने बनाई है।

भोपाल में लगा एमपी का पहला ओपन 'ऑक्सीजन स्टेशन'

लोगों को मिल सकेगी फ्री एंट्री, घर पर भी उगाया जा सकेगा मिनी जंगल

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर राजधानी भोपाल के डीबी मॉल में मध्यप्रदेश का पहला ओपन ऑक्सीजन स्टेशन बनाया गया है। यह स्टेशन आम लोगों के लिए फ्री है। इसे 'जंगल वास' संस्था ने तैयार किया है। इसकी खास बात ये है कि इस तरह का ऑक्सीजन स्टेशन कोई भी व्यक्ति अपने घर की छत, बालकनी, पेंटहाउस, कैफे या ऑफिस में तैयार कर सकता है। भोपाल के डीबी मॉल में लगा यह ऑक्सीजन स्टेशन 1 जून से 5 जून तक दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा। इसका मकसद है कि लोग देख सकें कि कैसे छोटे स्तर पर भी पर्यावरण के लिए बड़ा योगदान दिया जा सकता है। भोपाल की पर्यावरणविद् और जंगल वास की संस्थापक साक्षी भारद्वाज ने बताया कि ऑक्सीजन स्टेशन एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र है, जो बायोडायवर्सिटी और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देता है। इसमें कम्पोस्ट (एक प्रकार का जैविक खाद है, जो पत्तियों, रसोई का कचरा आदि के अपघटन से बनता है) जैसे प्राकृतिक और टिकाऊ मटेरियल का उपयोग किया गया है। इसमें 10 से लेकर 1000 प्रकार की पौधों की प्रजातियां लगाई जाती हैं। इनमें हवा शुद्ध करने वाले, खाने योग्य और पौधे शामिल होते हैं। साक्षी ने बताया कि यह एक जरिया है जहां कोई भी व्यक्ति अपने घर की छत, बालकनी, पेंटहाउस, कैफे या ऑफिस में छोटा-सा ऑक्सीजन जोन तैयार कर सकता है। वहीं, इसमें तरह तरह के पेड़ पौधे होते है जो ज्यादा मात्रा में आक्सीजन देते है। साक्षी ने बताया कि यह सिर्फ हरियाली नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने का एक तरीका है। अब तक मध्य प्रदेश के में कुल 100 ऑक्सीजन स्टेशन बनाए जा चुके हैं।

क्षत्रपों की गुटबाजी बेबस हैं प्रभारी

राहुल गांधी के लिए अभी दूर है दिल्ली की गद्दी!

- राज्यों में नहीं सुधर पा रहे हैं कांग्रेस संगठन के हालात ● कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार

चंडीगढ़/भोपाल (एजेंसी)। करीब 11 साल पहले कांग्रेस ने केंद्र की सत्ता गंवाई। फिर बारी-बारी राज्यों में भी फिसलती चली गई। कांग्रेस अभी देश के तीन राज्य कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में सत्ता में है। झारखंड और तमिलनाडु में वह गठबंधन के साथ सरकार में शामिल है। राज्यों में पार्टी की स्थिति मजबूत करने के लिए राहुल गांधी राज्यों का दौरा कर रहे हैं और संगठन स्तर पर बदलाव की तैयारी भी कर रहे हैं। राहुल गांधी के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन राज्यों में बढ़ती गुटबाजी है, जहां वह अपने दम पर चुनाव लड़ती है। कर्नाटक, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों में भी नेता खेमों में बंटे हैं, जहां करीब 200 लोकसभा सीटें हैं।

हरियाणा में नहीं तय कर सके नेता प्रतिपक्ष- विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को केंद्र की सत्ता में पहुंचने के लिए हिंदी हार्टलैंड के अलावा महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में बड़ी जीत की दरकार होगी।

एमएलए बोले-एमपी में चुनाव जिताने वाला कोई नेता नहीं

राहुल का जवाब-10 ऐसे नेता, जो सरकार बनाने का माद्दा रखते हैं

भोपाल। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भोपाल में रविंद्र भवन में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी और उसके बाद विधायकों की बैठक ली थी। इस बैठक में नकुलनाथ शामिल नहीं हुए। विधायकों की बैठक में सेमरिया के अभय मिश्रा ने राहुल गांधी से कहा- हमें मध्यप्रदेश में कोई ऐसा नेता नहीं नजर आता, जिसके भरोसे हम चुनाव जीत पाएं। इस पर राहुल गांधी ने कहा- आपको भले नजर न आते हों...लेकिन मुझे 10 ऐसे नेता नजर आते हैं, जो मध्यप्रदेश में नेतृत्व करने की क्षमता और सरकार बनाने का माद्दा रखते हैं। एयरपोर्ट से पीसीसी दफ्तर के रास्ते में कुछ कार्यकर्ताओं ने उनकी गाड़ी को रोक लिया था। उन्होंने राहुल गांधी के नारे लगाए। पुलिस ने उन्हें हटाकर रास्ता साफ कराया, तब राहुल की गाड़ी आगे बढ़ी। यहां धक्कामुक्की में कुछ कार्यकर्ता सड़क पर गिर भी गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राहुल गांधी के दौरे पर तंज कसा है।

मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी कलह कम नहीं

कांग्रेस मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव हार गई, मगर दोनों राज्यों में पार्टी के भीतर कलह कम नहीं हुई। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद जीतू पटवारी प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए, मगर आलम यह है कि उन्हें पार्टी के सीनियर नेताओं का समर्थन हासिल नहीं है। उनके साथ सिर्फ पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ही नजर आते हैं। उन्हें अप्रत्यक्ष तौर पर दिग्विजय सिंह का थोड़ा समर्थन हासिल है, कमलनाथ और अन्य पुराने नेता रुचि नहीं लेते है। कांग्रेस की कमजोर रणनीति के कारण मध्यप्रदेश के नए नवेले सीएम डॉ. मोहन यादव नए रोल में स्थापित हो गए। राजस्थान में सचिन पायलट और पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बीच अंदरखाने की गुटबाजी खत्म नहीं हुई। गहलोत ने अपने समर्थक टीकाराम जूली को नेता प्रतिपक्ष बनाकर पायलट गुट को हाशिये पर रखा। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा गहलोत के खिलाफ नहीं जा सके।

कलेक्टर ने ली समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक

अटल पेंशन योजना का लाभ उठाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम कार्यालय, सीएम हाउस, विभिन्न आयोगों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं न्यायालयों से जुड़े लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। साथ ही विभिन्न समसामयिक एवं अंतर्विभागीय मुद्दों पर भी चर्चा की और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर अभी से ध्यान दें, ए ग्रेड मेंटेन रखें- कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के गुणवत्ता और समयबद्ध निराकरण के लिए माह की शुरुआत से ही ध्यान देने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए हैं। गत माह जिला ए ग्रेड में रहा है, इसे आगे भी बनाए रखना है। इसके लिए उन्होंने प्रभारी अधिकारी को अभी से जिला कंट्रोल रूम शुरू करने और निराकरण योग्य अधिक से अधिक शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर संतोषजनक समाधान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जन आकांक्षा पोर्टल पर सीएम हाउस से प्राप्त 341 लंबित पत्रों का जबाव यथाशीघ्र दर्ज करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

टीएल के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश- कलेक्टर श्री सिंह ने गत टी एल बैठक में दिए निर्देशों का पालन सुनिश्चित नहीं करने वाले अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की और सभी टीएल प्रकरणों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि यदि टीएल बैठक में शामिल प्रकरणों का समय-सीमा में समाधान नहीं किया गया, तो संबंधित अधिकारी निराकरण न होने तक वेतन रोका जाएगा। साथ ही लगातार चलने वाले प्रकरणों में साप्ताहिक प्रगति के आंकड़े अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किए जाएं।

अटल पेंशन योजना से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के निर्देश - कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि शासन की अटल पेंशन योजना बहुत फायदेमंद है। इसका कोई भी व्यक्ति लाभ उठा सकता है। इसके लिए अपने बैंक में जाकर एक फॉर्म भरकर शाखा मैनेजर को देना होगा। 18 से 40 वर्ष आयु के व्यक्ति इसमें शामिल हो सकते हैं। निर्धारित फॉर्म भरने के बाद हर माह उम्र और पेंशन के अनुसार 90 रुपए से 300 रुपए तक की राशि उनके खाते से प्रीमियम के रूप में काटी जाएगी। 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर हर माह 1000 से 5000 हजार रुपए तक की पेंशन प्राप्त होगी ,जो बुजुर्गों के जीवन यापन के लिए मददगार साबित होगी। उन्होंने सभी एसडीएम को अभियान चलाकर पीएम स्वनिधि योजना, लाडली बहना योजना, मनरेगा श्रमिकों, आहार अनुदान योजना के हितग्राहियों, सचिव, जी.आर. एस, पीएम स्व निधि योजना के हितग्राहियों, पटवारी आदि सभी को इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं।

वॉश ऑन व्हील्स नवाचार की उपलब्धियों पर सीईओ जिला पंचायत को दी बधाई - बीते दिनों भोपाल में आयोजित लोकमाता देवी अहिल्या महिला महासम्मेलन में जिले के नवाचार % वॉश ऑन व्हील्स % की देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा सराहना और जिले की स्वच्छता साथी अनामिका बेलवंशी को उनसे संवाद का अवसर मिलने पर जिले की पूरी टीम को बधाई दी।

साथ ही इस नवाचार को पूरे प्रदेश में लॉन्च करने के लिए बनी प्रदेश स्तरीय कमेटी में सीईओ जिला पंचायत छिंदवाड़ा श्री अग्रिम कुमार को अध्यक्ष बनाए जाने की उपलब्धि पर भी बधाई और शुभकामनाएं दीं। बैठक में बताया गया कि नवाचार को राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया है और इसे हर तरफ से सराहना मिल रही है। कलेक्टर ने अन्य विभागों को भी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए नवाचारों की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए।

गोहपारू, बुढ़ार तथा सोहागपुर जनपद पंचायतों के तीन-तीन ग्रामों में कृषि शिविरों का किया गया आयोजन

शहडोल। खरीफ फसल के पूर्व किसानों को विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत नवीन एवं उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देने हेतु जिले में 29 मई से 12 जून तक कृषि शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सोहागपुर जनपद पंचायत में कृषि वैज्ञानिक डॉ. अल्पना शर्मा के मार्गदर्शन में ग्राम मिठौरी, सिगुडी, तथा अमरहा में गोहपारू जनपद पंचायत में कृषि वैज्ञानिक डॉ. बीके प्रजापति के मार्गदर्शन में ग्राम उमरिया, बारकोड़ा तथा पोंडी में जनपद पंचायत बुढ़ार में कृषि वैज्ञानिक डॉ. बीके प्रजापति के मार्गदर्शन में मंजीरा, धनौरा तथा जामगांव में शिविरो का आयोजन कर कृषि संबंधी जानकारी दी गई।

प्रमुख संक्षिप्त

सोनी को दी गई भावभीनी विदाई

रानीपुर! रानीपुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक सुरेंद्र सोनी को थाना स्टाफ द्वारा भाव भीनी विदाई दी गई थाना परिसर रानीपुर मे विदाई समारोह का आयोजन किया गया! इस अवसर पर थाना प्रभारी अवधेश तिवारी ने बताया कि सोनी जी ने अपनी साफ सुथरी छवि के साथ–साथ जनता के बीच भी अच्छा व्यवहार रखा अपने 40 वर्षों की नौकरी के दौरान विभागीय समस्याओं का समाधान बखूबी बहुत अच्छे तरीके से निभाया उनकी सेवानिवृत्ति पर शाल श्रीफल भेंट कर विदाई दी गई! इस मौके पर ऐ एस आई भारत लाल बोरासी श्यामलाल कीर प्रधान आरक्षक अखिलेश धुर्वे सतीश वादिवा जाकिर खान पूनम तिवारी महेश युवने आरक्षक वैभव चौधरी गौरव साहू राजेंद्र भलावी के साथ–साथ उनके परिजन भी इस विदाई समारोह में शामिल रहे!

एनसीसी कैडेट्स द्वारा रैली निकालकर नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया गया जागरूक

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स द्वारा अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष में एक रैली का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य लोगों (विशेषत: युवाओं) में नशे से होने वाली बीमारियों तथा नशे के कारण सामाजिक आचरण के गिरते स्तर के विषय में जागरूकता लाना। कैडेट्स द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के कारण होने वाली घरेलू हिंसा तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों के प्रति जागरूकता किया गया। एनसीसी कैडेट्स ने कहा नशे की लत से सबसे ज्यादा प्रभावित युवा वर्ग है नशा मानसिक स्वास्थ्य पर भी बहुत बुरा प्रभाव डालता है। एनसीसी द्वारा निरंतर गतिविधियों के माध्यम से समाज को नशे व अपराध से मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट डॉ. जी. एस. संध्या, महिला प्रशिक्षिका निशा सोनी, सीनियर कैडेट प्रिया सिंह, दिवयानी साहू, गौरव मिश्रा, सत्यानंद तिवारी उपस्थित रहे।

उमरिया जिले में सट्टे का साम्राज्य, नवरोजाबाद, पिनौरा से पाली तक फैला काला खेल

उमरिया।

जिले का नौरोजाबाद और पाली क्षेत्र इन दिनों ओपन क्लोज के धंधे का गढ़ बनता जा रहा है। खास तौर पर नौरोजाबाद के पिनौरा और पाली इलाके में सट्टा माफिया खुलेआम अपने अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं। इन दोनों इलाकों में यह खेल इतने संगठित तरीके से चल रहा है कि अब इसे सट्टा सिंडिकेट कहना भी गलत नहीं होगा। उमरिया जिले के नौरोजाबाद के अंतर्गत आने वाले पिनौरा क्षेत्र में गुरुजी के नाम से चर्चित व्यक्ति इस सट्टा साम्राज्य का संचालन कर रहा है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, गुरुजी का नेटवर्क गांव के युवाओं तक फैला हुआ है। गांव के कुछ स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र भी इस सट्टे के जाल में फंसते जा रहे हैं। रोजगार की कमी और त्वरित कमाई के ई के लालच में कई युवा इस खेल का हिस्सा बन चुके हैं। आरोप है कि गुरुजी को स्थानीय प्रशासन के कुछ लोगों का संरक्षण भी प्राप्त है, जिसकी वजह से उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती। पाली क्षेत्र में जायसवाल बंधु के नाम सेमशहूर दो भाइयों ने सट्टा बाजार को काबू में कर रखा है। बताया जाता है कि इनका नेटवर्क केवल पाली ही नहीं, बल्कि आसपास के गांवों और कस्बों में भी फैला हुआ है। दिन में चाय व पान की दुकानों में सट्टा नंबरों का खेल चलता है। पाली पुलिस को इस नेटवर्क की जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आई है। इससे आमजन में पुलिस और सट्टा माफियाओं की मिलीभगत के संदेह को बल मिल रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सट्टा कारोबार की जानकारी पुलिस और प्रशासनको भलीभांति है, फिर भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। आम लोगों में यह चर्चा आम हो गई है कि कहीं न कहीं सट्टा कारोबारियों और स्थानीय अधिकारियों के बीच %साठगांठ% है।

युवाओं का भविष्य अधर में

सट्टे की लत ने कई घर तबाह कर दिए हैं। युवाओं को यह खेल इस कदर अपनी चपेट में ले चुका है कि वे पढ़ाई-लिखाई छोड़कर सट्टे में किस्मत आजमा रहे हैं। कई परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ चुकी है, कर्ज और घरेलू कलह जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। जनता अब इस पूरे नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है। नौरोजाबाद और पाली दोनों जगहों पर छापेमारी और निष्पक्ष जांच कीआवश्यकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते प्रशासन नहीं चेता, तो यह सट्टा नेटवर्क जिले में अपराध की नई लहर को जन्म देगा। उमरिया जिले में सट्टा कारोबार कोई छुपा हुआ रहस्य नहीं रह गया है। पिनौरा के गुरुजी और पाली के जायसवाल ब्रदर्सइस खेल के मास्टरमाइंड के रूप में सामने आ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ कोईलांचल क्षेत्र में ही सट्टे का काला कारोबार बढ़ता जा रहा है।

सड़क निर्माण से हो रही परेशानी को लेकर बैठक का आयोजन

चौरई। अनुविभागीय कार्यालय सभाकक्ष चौरई में सोमवार को बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विधायक सुजीत सिंह चौधरी, पूर्व विधायक पं रमेश दुबे ने एसडीएम प्रभात मिश्रा के साथ कुंडा के ग्रामीणों की मौजूदगी में एमपीआरडीसी व निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर के साथ बैठक कर चौरई से बंडोल तक बन रही सड़क से आमजन को हो रही परेशानियों को लेकर विस्तार से चर्चा कर निराकरण के निर्देश दिए । कुंडा के कामता मोहल्ला में दैनिक व बारिश के पानी से लोगों को परेशानी होती है पानी निकासी के लिए नाली निर्माण जल्द हो व सड़क की ऊंचाई घटाकर परासिया पिपरिया मानसिंह मार्ग एवं माता मंदिर जाने वाले मार्ग को आमजन के आवागमन के लिए सुलभ बनाने की बात कही जिस पर अधिकारियों ने सार्थक कार्रवाई की बात कही है।

इसके अलावा नगर के चांद रोड में व्याप्त अनियमितताओं से आवागमन की परेशानी को लेकर भी पूर्व विधायक श्री दुबे ने कहा कि जल्द ही स्कूल खुलने वाले हैं बच्चों और महिलाओं के साथ ही आने जाने वालों को परेशानी न हो इसका ध्यान रखकर तत्काल मार्ग को ठीक कर व्यवस्था बनाई जाए ।बैठक में नायब तहसीलदार रूबी खान, पूर्व मंडल अध्यक्ष कमलेश वर्मा, भाजपा नेता ईश्वर सिंह चौधरी, अमित सोनी, राजा जैन, प्रीतेश दुबे, राहुल दुबे, अभय दुबे, सुनील तिवारी, आशीष दुबे, अखिलेश दुबे, पंकज साहू समेत निर्माण एजेंसी के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे ।

आयुक्त शहडोल संभाग को जिले के जनजातीय छात्रावासों में चलाए जा रहे सक्षम जीवन कौसल कार्यक्रम की समन्वयक द्वारा दी गई जानकारी

शहडोल। प्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के माध्यम से बारहमासी छात्रावासों में रहने वाले बालक-बालिकाओं के सर्वांगीण विकास, मिट्टी, पानी खेती, पर्यावरण, जल संरक्षण, कबाड़ से जुगाड़, कला एवं संस्कृति, तथा पर्यावरण संबंधी जानकारी देने के उद्देश्य से जिले भर में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधित छात्रावासों के अधीक्षकों एवं शिक्षकों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। सक्षम जीवन कौशल प्रोग्राम के तहत मैजिक बस इंडिया फाउन्डेशन द्वारा सहायोग प्रदान किया जा रहा है। संस्था के जिला समन्वयक अविनाश वर्मा ने आयुक्त शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता से भेंटकर छात्रावासों में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी ।

यादव महासभा के ने किया विशाल विरोध प्रदर्शन, कई संगठनों का मिला साथ

टीकमगढ़

बीते रोज 23 मई 2025 की रात्रि लगभग 11 बजे मनोज यादव पिता भागबल यादव निवासी बम्होरी मड़िया के साथ जिला जेल के पास रहने बाले संजय सिंह उर्फ गुड्डू गौर ओर उनके पुत्रो सहित अन्य व्यक्तियों के द्वारा जमकर मारपीट की गई थी। यह विवाद पैसों के लेनदेन को लेकर बताया गया था, जिसमे पीड़ित मनोज यादव का एक मारपीट का वीडियो भी शोसल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमे मनोज यादव के साथ गंभीर मारपीट की जा रहीं थी, जिसमे पीड़ित के मुंह और नाक-कानों से खून वह रहा था, साथ ही मारपीट करने बालो के द्वारा गोली मारने की धमकी भी दी जा रहीं थी। जिसके बाद भी उल्टा कोतवाली पुलिस ने पीड़ित मनोज यादव पर ही उल्टा मारपीट की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर दिया था। जैसे ही रात्रि में मारपीट का वीडियो वायरल हुआ था, तब यादव महासभा के द्वारा पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौपकर मारपीट करने बाले आरोपी संजय सिंह गौर उर्फ गुड्डू, युवराज सिंह गौर, आदित्यराज सिंह, जितेंद्र ठाकुर एवम गगन सोनी पर धारा 307 के तहत मामला दर्ज करने और कोतवाली पुलिस द्वारा मारपीट करने बालो से सांठगांठ कर मनोज यादव पर फर्जी मामला दर्ज करने के मामले में जो भी पुलिस कर्मी की साठगांठ हो उन पुलिस कर्मी को बर्खास्त करने की मांग की थी, साथ ही मारपीट करने बाले व्यक्तियों द्वारा शासकीय जमीन पर बनाये गए मकान को तोड़ने, उकने शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने एवम पीड़ित मनोज यादव पर दर्ज किए गए फर्जी मामले को खारिज करने की मांग की थी, जिस पर पुलिस के द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नही करने के मामले में आज यादव महासभा ने विशाल विरोध प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौपा है, जिसमे यादव महासभा के साथ ओबीसी महासभा, भीम आर्मी, मांझी समाज, बुंदेलखंड किसान मजदूर संघ, यादव संगठन, आजाद समाज पार्टी, ओबीसी जनकल्याण संघ सहित अन्य संगठनों ने मनोज यादव को न्याय दिलाने और दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने के लिए एकजुट होकर एक विशाल प्रदर्शन किया है। जिसमे आज चकरा स्थित एक निजी गार्डन में सभी लोग एकजुट हुए जंहा पर एक सभा का आयोजन किया गया, जिसके बाद कलेक्टर कार्यालय तक सभी के द्वारा पैदल मार्च किया गया और कलेक्टर को ज्ञापन सौपा गया।

जिसमे यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव, युवा प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर पुष्पेंद्र यादव, यादव महासभा जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र यादव वीरपुरा, ओबीसी जनकल्याण के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार यादव सेसई, यादव समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपेश सिंह यादव, पूर्व विधायक अजय यादव, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अभय यादव, जतारा जप. अध्यक्ष महेश यादव, प्रमोद यादव नदिया, मुन्नीलाल यादव, ओबीसी महासभा के जिला अध्यक्ष दीनदयाल कुशवाहा, बीड़ी यादव एडवोकेट, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष संजू चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने हजारों लोगों के साथ कलेक्टर विवेक श्रोतिय को एक ज्ञापन सौपा है। जिसमे मारपीट के सभी आरोपियों पर धारा 307 के तहत मामला दर्ज करने, एवम दोषी , साथ ही शासकीय जमीन पर बनाये गए मकान तोड़ने और शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की मांग उठाई है।

शहर के निर्धन लोगों ने लायंस क्लब विदिशा द्वारा आयोजित निशुल्क डेंटल कैंप सावरकर बाल विहार के पीछे मिरेकल क्लीनिक में कराया अपना निशुल्क इलाज

विदिशा।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती के अवसर पर विदिशा के महाराणा प्रताप चौराहा पर यश एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी तथा लायंस क्लब विदिशा द्वारा नगर के नागरिकों के साथ शौर्य, स्वाभिमान और पराक्रम के धनी महाराणा प्रताप जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। नगर पालिका अध्यक्ष लायन प्रीति राकेश शर्मा, यश एजुकेशन सोसाइटी अध्यक्ष लायन यशवंत प्रताप सिंह राठौड़, लायंस क्लब अध्यक्ष लायन अरुण कुमार सोनी, एडिशनल कैबिनेट सेक्रेटरी स्ब्धस्र एमजेएफ लायन राजकुमार सर्राफ, एमजेएफ लायन अजय साहू, ट्रेजरार लायन शाश्वत शर्मा, उपेन्द्र धाकड़, प्रीतम राय, डॉ पवन जैन, लायन मेहताब सिंह नरवरिया सहित उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अतिथियों ने महाराणा प्रताप जी के शौर्य , साहस एवं पराक्रम के बारे में बताते हुए मातृभूमि के लिए समर्पित होने का आव्हान किया. महाराणा प्रताप कॉलेज द्वारा मिष्ठान वितरण किया गया. तत्पश्चात यातायात जागरूकता हेतु लोगों में अवेयरनेस लाने के लिए चौराहे पर लायंस क्लब विदिशा द्वारा बस, कार, ऑटो, बाइक आदि वाहनों को एवं पैदल चलने वालों को पंपलेट वितरण कर, जानकारी प्रदान करते हुए यातायात नियमों का पालन करने के आग्रह के साथ उन्हें जागरूक किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष लायन प्रीति राकेश शर्मा, लायंस क्लब अध्यक्ष लायन अरुण कुमार सोनी, महाराणा प्रताप कॉलेज डायरेक्टर लायन यशवंत प्रताप सिंह राठौड़, एकिटविटीज चेयर पर्सन एमजेएफ लायन राजकुमार सर्राफ प्रिंस, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर एमजेएफ लायन अजय साहू, ट्रेजरार लायन शाश्वत शर्मा, अवंती बाई हायर सेकेंडरी स्कूल संचालक लायन मेहताब सिंह नरवरिया, लायन के सी प्रजापति, इंजीनियर लायन अमित सनस, लायन प्रीतम सिंह राय, लायंस क्लब विदिशा के विभिन्न पदाधिकारी, महाराणा प्रताप कॉलेज का स्टाफ, नगर के विभिन्न सभ्रांत नागरिक गण उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की बैठक गंजबासौदा रेस्ट हाउस में संपन्न

विदिशा।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ विदिशा जिला इकाई अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह भदोरिया जी के निर्देश अनुसार बैठक रखी गई थी । जिसमें गंजबासौदा, उदयपुर ,त्योंदा, पठरी, नटेरन, आदि ब्लॉकों के पदाधिकारी एवं सदस्य साथी उपस्थित हुए जिसमें संगठन की मजबूती के लिए चर्चा जिन ब्लॉकों में अभी गठन नहीं हुआ उन पर चर्चा हुई एवं संगठन की बैठक आयोजनों में पदाधिकारी सहभागिता नहीं निभा रहा है उस पर भी चर्चा हुई , एवं सभी साथियों को निष्पक्षिता से खबरें चलाने के लिए कहा गया । एवं समस्या होने पर संगठन पदाधिकारी साथियों को अवगत अवगत कारय जिससे समस्याओं का समाधान हो सके, बैठक में उपस्थित साथी विदिशा जिला इकाई अध्यक्ष नरेंद्र सिंह भदोरिया, उपाध्यक्ष रवि चौरसिया, महासचिव हाकम सिंह रघुवंशी, सचिव मायावती अहिरवार, संयुक्त सचिव रिंकू रघुवंशी, जिला कार्यकारिणी सदस्य किशोर सिंह दांगी, यशवंत सिंह रघुवंशी, त्योंदा ब्लॉक अध्यक्ष माधव प्रसाद दुबे, पठरी ब्लॉक अध्यक्ष चेतराम साहू, एवं गंजबासोदा से सदस्य साथी सुरेंद्र पस्तोर, संजीव शर्मा, अशोक शर्मा, सुरेंद्र रघुवंशी, कृष्णा सक्सेना, गिरधर सिंह राजपूत, राजकुमार अहिरवार ,आदि बड़ी संख्या में साथी उपस्थित रहे ।

खास

कलेक्टर ने टीएल की बैठक में दिये निर्देश

सभी सीएमओ प्रधानमंत्री आवास योजना नगरीय को शीघ्र पूर्ण कराये

टीकमगढ़,

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रोत्रिय ने सभी सीएमओ को प्रधानमंत्री आवास योजना नगरीय को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समग्र आधार ई-केवाईसी की तत्कालीन रिपोर्ट की समीक्षा कर शीघ्र ही प्रगति लाने तथा मनरेगा योजना अंतर्गत नागरिकों को रोजगार के अवसर और मानव दिवस बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने जिन नगरीय निकायों और जनपद पंचायतों की ई केवाईसी में संतोषजनक प्रगति नहीं है उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रोत्रिय ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुये संस्थागत प्रसव और टीकाकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान केसीसी के प्रकरण एम प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न आयोगों से प्राप्त शिकायतों की वस्तुस्थिति का जांच कर प्रतिवेदन भेज कर कम्पाइल कराने के निर्देश दिए। तत्पश्चात उन्होंने विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत की जा रही गतिविधियां तथा सीएम राइज विद्यालयों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस को कार्यशैली में लाये एवं उन्नत तकनीक, कृषकों की आय बढ़ाने के लिये और अन्य जानकारी भी प्रदान किया जाये। श्रोत्रिय ने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा की तथा सभी सम्बन्धित अधिकारियों को लगातार मॉनिटरिंग कराने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि अमृत सरोवरों का शीघ्रता से करायें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन, आयुष्मान भारत योजना, विभिन्न विभागों के अंतर्गत ई-केवायसी की प्रगति के साथ टीएल पत्रों पर की गई कार्यवाही के संबंध में विस्तार से समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि कंटेम्प्ट केसों में शीघ्रता से समय पर जबाव प्रेषित करें। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ नवीत कुमार धुर्वे, अपर कलेक्टर पीएस चौहान, संयुक्त कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम बल्देवगढ़ श्रीमती भारती देवी मिश्रा, एसडीएम जतारा संजय कुमार दुबे, डिप्टी कलेक्टर

एसके तोमर, सीएमएचओ डॉ. शोभाराम रोशन, सिविल सर्जन डॉ. अमित शुक्ला, डीपीसी आरपी त्रिपाठी, डीडी विटनरी डॉ. आरके जैन, पीओ डूडा सुश्री शिवि उपाध्याय, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ऊदल सिंह, जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी रामबाबू गुप्ता, लोकसेवा प्रबंधक अमन गोयल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन आतंकवाद से लड़ने के भारत के प्रयासों के साथः ब्रिटिश सांसद

लंदन, एजेंसी। लेस्टर पूर्व से ब्रिटिश सांसद शिवानी राजा ने रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में भारत के सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने इसे सकारात्मक बैठक बताया। उन्होंने भारत के साथ काम करने और आतंकवाद से निपटने के प्रयासों में उसका समर्थन करने की इच्छा जताई। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में शिवानी राजा ने आतंकवादी हमलों का जवाब देने के लिए भारत की प्रशंसा की। उन्होंने ब्रिटेन और अन्य देशों से आतंकवाद की निंदा करने और इसके खिलाफ खड़े होने का आह्वान किया। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बैठक के बारे में उन्होंने कहा, हमने अभी-अभी भारत के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल के साथ अपने पार्टी मुख्यालय में कंजर्वेटिव फ्रेंड्स ऑफ इंडिया के साथ एक गोलमेज सम्मेलन की मेजबानी पूरी की है। यह वास्तव में एक सकारात्मक बैठक थी, उस बैठक से बहुत कुछ सीखने को मिला। कुल मिलाकर यह वास्तव में सकारात्मक थी और हम भारत के साथ काम करने और आतंकवाद से निपटने के उनके प्रयासों में उनका समर्थन करने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन ने हमेशा आतंकवाद की निंदा की है। ब्रिटेन की शैडो विदेश मंत्री प्रीति पटेल ने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की। शिवानी राजा ने कहा, ब्रिटेन ने हमेशा आतंकवादी हमलों की निंदा की है, चाहे वह पहलगाम में हो या दुनिया के किसी अन्य देश में। यह कोई अलग बात नहीं थी। प्रीति पटेल ने 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने में कोई समय बर्बाद नहीं किया और मुझे लगता है कि इस दुनिया के नागरिक के रूप में चाहे आप राजनीति में हों या नहीं, हम सभी का कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि जब भी हम आतंकवाद देखें, तो उसका विरोध करें। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए शिवानी राजा ने कहा, मुझे लगता है कि भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों का जवाब देने में भारत शानदार काम कर रहा है। ब्रिटेन और अन्य देशों को भी आतंकवाद की निंदा करने के लिए खड़े होने की जरूरत है। ब्रिटेन यही कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा, हमें आतंकवादी हमलों की निंदा करनी चाहिए और आतंकवाद को जहां भी हम देखें, उसका विरोध करना चाहिए, चाहे वह किसी भी देश का हो। मैं यही कर रही हूं, मेरी पार्टी यही कर रही है और यहां की सरकार भी यही कर रही है।

टमाटर मत खाना, अमेरिकी सरकार दे रही लोगों को सलाह, 14 राज्यों में दुकानों से भी हटवाया

वाशिंगटन, एजेंसी। इन दिनों अमेरिका के लोगों को टमाटर ना खरीदने और ना खाने की सलाह दी जा रही है। इसकी वजह है टमाटर के कई वैरायटी में खतरनाक बैक्टीरिया होने का पता चलना। देश की स्वास्थ्य एजेंसी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफडीए के अधिकारियों ने बताया है कि उन्हें आशंका है कि इन टमाटरों में साल्मोनेला हो सकता है। खबर सामने आने के बाद अमेरिका के 14 राज्यों में दो प्रकार के टमाटरों को दुकानों से हटवा दिया गया है। एफडीए ने इससे पहले 2 मई को एक आदेश जारी कर टमाटरों को वापस लेने का निर्देश जारी किया था। इसके बाद से स्थिति और बिगड़ती जा रही है। एफडीए ने अपने नए आदेश में लोगों से कहा, एफडीए लोगों से अपील करता है कि जिन्होंने टमाटर खरीदे हैं, वे उन्हें न खाएं। वे या तो इसे वापस कर दें, या उसे फेंक दें। अधिकारियों ने यह भी कहा है कि जिन लोगों ने प्रभावित टमाटर खाए हैं और उनमें कोई भी लक्षण दिखाए देते हैं, तो वे जल्द से जल्द अस्पताल में रिपोर्ट करें। एफडीए ने बताया है कि बैक्टीरिया से संक्रमित टमाटर तीन राज्यों में बेचे जा चुके थे। इनमें जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना और साउथ कैरोलिना शामिल है। एफडीए के अनुसार इन राज्यों में 23 अप्रैल से 28 अप्रैल के बीच दूषित टमाटर बेचे गए। लेकिन अधिकारी लोगों से बेहद सावधानी बरतने की अपील कर रहे हैं। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के मुताबिक साल्मोनेला यह एक हानिकारक माइक्रोर्गनिज्म है। गलती से इंसानों तक पहुंचने के बाद 12 से 72 घंटों के भीतर यह दस्त, बुखार और पेट में ऐंठन को ट्रिगर कर सकता है। जहां ज्यादातर लोग बिना इलाज के ठीक हो सकते हैं।

यूएस उपराष्ट्रपति की पत्नी उषा वेंस बोलीं-

भारत में पीएम मोदी से मिलते ही बच्चों ने कहा-ये तो हमारे दादा हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस ने अप्रैल की अपनी भारत यात्रा को बेहद यादगार बताया और इसे 'जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव करार दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि उनके तीनों बच्चे तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना 'दादा मानने लगे। उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने अप्रैल में भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा की थी और उनके साथ पत्नी उषा वेंस और उनके तीन छोटे बच्चे इवान, विवेक और मीराबेल भी थे। उषा वेंस ने सोमवार को यहां अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) नेतृत्व शिखर सम्मेलन के आठवें सत्र में बातचीत के दौरान भारत यात्रा को याद करते हुए कहा ''यह वास्तव में हमारे लिए यादगार यात्रा रही।

वेंस दंपति 21 से 24 अप्रैल तक भारत में था और जयपुर तथा आगरा की यात्रा से पहले उन्होंने दिल्ली में

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। उषा वेंस ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात ''वाकई बहुत खास रही। उषा वेंस ने कहा, ''हमें उनसे पहले भी मिलने का मौका मिला था। उन्होंने कहा कि पेरिस में यात्रा के दौरान बच्चों की नींद पूरी नहीं हुई थी। वे उनींदे से थे और जब उन्होंने प्रधानमंत्री को देखा तो उनके सफेद बाल और सफेद दाढ़ी देखकर उन्हें तुरंत मान लिया कि ये उनके बाबा (दादा जी) हैं। और इस तरह वे उनसे तुरंत घुलमिल गए। उषा वेंस ने कहा, ''वे (बच्चे) उनसे (मोदी से) बहुत प्यार करते हैं और उन्होंने (मोदी ने) उस दिन हमारे पांच साल के बेटे को जन्मदिन का तोहफा दिया। उसके बाद तो उन्होंने बच्चों के दिल में खास जगह बना ली । वेंस और प्रधानमंत्री मोदी के बीच फरवरी में 'एआई एक्शन समिट के दौरान फ्रांस में मुलाकात हुई थी।

उन्होंने अपनी याद साझा करते हुए कहा कि जब वेंस परिवार दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के आवास पर गया था तो बच्चे दौड़ते हुए उनके पास गए और उनके गले लग गए। उषा वेंस ने कहा, '' वह (मोदी) बच्चों से बहुत ही प्रेम से मिले। वेंस ने कहा कि कोविड महामारी और उनके पति के राजनीतिक कार्यक्रमों के कारण उनके बच्चे पहले कभी भारत नहीं गए थे लेकिन वे उस देश, वहां की कहानियों, भोजन, दादा-दादी और दोस्तों के साथ संबंधों के बारे में बहुत कुछ जानते हुए बड़े हुए हैं। हालांकि उन्होंने वास्तव में इसे कभी नहीं देखा था। इसलिए यह उनके हिसाब से दिल को छू लेने वाला था।

उन्होंने कहा, हम अपनी अगली यात्रा का इंतजार है और देश के उन हिस्सों में जाने की कोशिश कर रहे हैं जहां से मेरा परिवार ताल्लुक रखता है।

अप्रवासन नीति को सख्त न करने पर गिर सकती है नीदरलैंड सरकार

हेग, एजेंसी। नीदरलैंड की 11 माह पुरानी सरकार पर संकट के बादल मंडरा गए हैं। दरअसल गठबंधन सरकार में शामिल गीर्ट विल्डर्स सरकार से समर्थन वापस लेने पर विचार कर रहे हैं। गठबंधन सरकार में चार पार्टियां शामिल हैं और अगर गीर्ट विल्डर्स समर्थन वापस लेते हैं तो सरकार अल्पमत में आ जाएगी। दरअसल बीते हफ्ते विल्डर्स ने सरकार से मांग की थी कि अप्रवासन को तेजी से कम करने के लिए 10 बिंदू योजना पर हस्ताक्षर करे।

इस योजना में विल्डर्स ने देश की सीमाओं की रक्षा और अवैध अप्रवासन को रोकने के लिए सेना की तैनाती की भी मांग की है। उनका कहना है कि अगर अप्रवासन नीति को सख्त नहीं किया गया तो उनकी पार्टी सरकार से अपना समर्थन वापस ले लेगी। नीदरलैंड सरकार पर संकट के बादल ऐसे वक्त मंडरा रहे हैं, जब नीदरलैंड तीन हफ्ते बाद ही हेग में नाटो नेताओं की अहम बैठक होनी है। सोमवार को रात को गठबंधन के नेताओं की बैठक हुई, जिसमें गीर्ट विल्डर्स भी शामिल हुए। बैठक के बाद विल्डर्स ने कहा कि कल फिर से बैठक होगी, लेकिन हालात ठीक नहीं लग रहे हैं। विल्डर्स के बयान से साफ है कि सहमति नहीं बन पा रही है और वे सरकार से समर्थन वापस ले सकते हैं। गीर्ट विल्डर्स एक धुर दक्षिणपंथी नेता हैं, जो नीदरलैंड में इस्लाम और अप्रवासन नीति के बड़े विरोधी हैं। विल्डर्स लंबे समय तक विपक्ष में रहे हैं, लेकिन नवंबर 2023 में हुए चुनाव में उनकी पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें मिलीं थी और सत्ताधारी गठबंधन में उनकी पार्टी सबसे बड़ी है।

न्यूजीलैंड में महिला सांसद ने संसद में दिखाई खुद की न्यूड फोटो, वजह भी बताई

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड में एक महिला सांसद के फैसले की चर्चा हो रही है। खबर है कि वह एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से तैयार की गई खुद की फेक न्यूड फोटो लेकर संसद पहुंची थीं। दरअसल, वह दिखाना चाहती थीं कि किसी की झूठी तस्वीर तैयार करना कितना आसान है और यह कितना नुकसान पहुंचा सकता है। वह इस संबंध में कानून बनाने की मांग कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एसीटी पार्टी की सासंद लॉरा मैक्ल्योर खुद की एक तस्वीर लेकर पहुंची थीं। उन्होंने कहा, यह मेरी नग्न तस्वीर है, लेकिन यह असली नहीं है। उन्होंने कहा, खुद की डीपफेक बनाने में मुझे 5 मिनट से भी कम समय लगा है। उन्होंने संसद में खुलकर अपनी तस्वीर दिखाई और विरोध दर्ज कराया है।

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो मैसेज में उन्होंने कहा, मैं संसद के अन्य सदस्यों का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती थी कि ऐसा करना कितना आसान है और इसकी वजह से कितना नुकसान हो रहा है। खासतौर से हमारे युवा किवी कितने प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, तकनीक परेशानी नहीं है, बल्कि परेशानी है कि इसका गलत इस्तेमाल लोगों को प्रताड़ित करने के लिए हो रहा है। हमें इसके लिए कानून बनाने होंगे।

वह डीपफेक डिजिटल हार्म एंड एक्सप्लॉइटेशन बिल का समर्थन कर रही हैं। खबर है कि रिवेंज पोर्न और निजी पलों की रिकॉर्डिंग के संबंध में पहले से बने कानूनों में संशोधन करेगा और बगैर सहमति के डीपफेक बनाने और शेयर करने को अपराध बनाएगा। इसके अलाव इस कानून के तहत पीड़ितों को कंटेट हटवाने और न्याय पाने का भी रास्ता साफ हो जाएगा। एक अन्य पोस्ट में मैक्ल्योर ने लिखा, किसी को भी डीपफेक का निशाना नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे कानून इसके लिए तैयार नहीं हैं और यह चीज बदलनी होगी।

करारी हार के बावजूद भी नहीं सुधरा पाक, लश्कर-ए-तैयबा के डिप्टी चीफ संग दिखे पाकिस्तान के पंजाब विधानसभा अध्यक्ष

इस्लामाबाद, एजेंसी। हाल ही में पाकिस्तान के पंजाब विधानसभा अध्यक्ष मलिक अहमद खान एक रैली में आतंकियों के साथ नजर आए, जिससे यह साफ हो गया है कि पाकिस्तान में सरकार और आतंकियों के बीच की दूरी कम होती जा रही है। इस रैली में लश्कर-ए-तैयबा के डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी और आतंकी संगठन के नेता हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद भी मंच पर एक साथ मौजूद थे।

जब पत्रकारों ने मलिक अहमद खान से इस मामले पर सवाल किया, तो उन्होंने सैफुल्लाह कसूरी का बचाव किया। स्पीकर ने कहा कि कसूरी पर अभी जांच पूरी नहीं हुई है, इसलिए उसे दोषी नहीं माना जाना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि उनका कसूर शहर से व्यक्तिगत संबंध है, इसीलिए वह इस रैली में शामिल हुए थे।

रैली का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें सैफुल्लाह कसूरी

को अमेरिकी हथियारों से लैस गार्ड्स के साथ आते देखा जा सकता है। उन्हें भारत का विजेता कहते हुए फूलों से सम्मानित किया गया। इस रैली में भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कड़े और भड़काऊ बयान दिए गए। आतंकियों ने 1971 की हार का बदला लेने का दावा भी किया।

सैफुल्लाह कसूरी और मज़म्मिल हाशमी ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश में भारत के खिलाफ जीत हासिल की है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके विरोध प्रदर्शन की वजह से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में शरण लेनी पड़ी। मोदी को खुली धमकी, मिसाइलों और गोलियों का मजाक उड़ाया 28 मई को गुजरांवाला में हुई एक रैली में मज़म्मिल हाशमी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकी दी। उन्होंने कहा, मोदी, तुम हमें गोली से डराते हो, लेकिन हमारे बच्चे तेरी मिसाइलों से नहीं डरे, तो हम तेरी गोली से कैसे डरेंगे?

राहिम यार खान की रैली में सैफुल्लाह कसूरी ने कहा कि जब वह चार साल के थे, तब 1971 में पाकिस्तान टूट गया था। उन्होंने कहा, इंदिरा गांधी ने कहा था कि दो-राष्ट्र सिद्धांत खत्म हो गया, लेकिन हमने 10 मई को इसका बदला ले लिया।

भारतीय एयर स्ट्राइक में मारे गए साथी आतंकी पर कसूरी का दुख कसूरी ने बताया कि मुरिदके में भारतीय वायुसेना की स्ट्राइक में उसका साथी मुदस्सिर मारा गया था। भावुक होकर बोला, मैं उसके अंतिम संस्कार में नहीं जा सका और उस दिन मैं बहुत रोया। इन घटनाओं से स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों को खुला राजनीतिक समर्थन मिल रहा है।

रूस-यूक्रेन में दूसरे दौर की शांतिवार्ता एक घंटे में खत्म, कैदियों की अदला-बदली पर सहमति

दोनों देश 6000 मृत सैनिकों के शव भी लौटाएंगे

इस्तांबुल, एजेंसी। रूस और यूक्रेन की बीच सोमवार को तुर्किये से इस्तांबुल में दूसरे दौर की शांति वार्ता 1 घंटे में खत्म हो गई। दोनों देश गंभीर रूप से घायल और बीमार युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमत हो गए हैं। इसके साथ ही दोनों पक्ष 6,000-6,000 मारे गए सैनिकों के शव भी वापस लौटाएंगे। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा कि हम सभी युद्धबंदियों की रिहाई और सभी दिव्यांग बच्चों और कैदियों की वापसी चाहते हैं। वहीं, रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख व्लादिमीर मेंडिस्की ने कहा- इस समझौते के तहत गंभीर रूप से घायल और 18 से 25 साल के युवा सैनिकों की भी अदला-बदली की जाएगी।

यह वार्ता ऐसे वक्त में हुई जब कुछ घंटे पहले ही यूक्रेन ने रूस के साइबेरिया में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। इस बारे में पूछे जाने पर रूसी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कल का इंतजार कीजिए। इससे पहले दोनों देशों का डेलिगेशन 16 मई को इस्तांबुल में मिला था, तब भी दोनों के बीच 2 घंटे बातचीत हुई थी।

यूक्रेन के हमले में रूस को काफी नुकसान पहुंचा है, इसके बाद पलटवार करते हुए रूस ने भी यूक्रेन पर अपने मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं। यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए मिलिट्री यूनिफॉर्म में पहुंचा है। यूक्रेन की तरफ से रक्षा मंत्री रुस्टेम उमेरोव और रूस की तरफ से राष्ट्रपति पुतिन के करीबी व्लादिमिर मेंडिस्की इस बातचीत में भाग लिया। कैदी अदला-बदलीः 16 मई को इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हुई बातचीत

के बाद दोनों देशों ने 1-1 हजार कैदियों की अदला-बदली पर सहमति जताई थी। जिसके बाद दोनों ने कैदी रिहा किए।

सीजफायरः यूक्रेन ने 30 दिन के सीजफायर की मांग की थी, लेकिन रूस ने इसे स्वीकार नहीं किया। रूस ने शर्त रखी कि यूक्रेन को चार इलाकों (दोनेत्स्क, लुहान्स्क, जपोरिझिया, खेरसॉन) से पूरी तरह पीछे हटना होगा, जिनमें लगभग 1.1 करोड़ यूक्रेनी नागरिक रहते हैं। जिसे यूक्रेन ने अस्वीकार कर दिया था।

शांति समझौताः तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने कहा था कि दोनों देश दोबारा मिलने को तैयार हैं, लेकिन कोई नई तारीख तय नहीं हुई। रूस ने यूक्रेन को शांति समझौते का मसौदा देने की बात कही।

क्षेत्रों पर नियंत्रणः दोनों देशों के बीच सुरक्षा गारंटी और प्रतिबंधों पर चर्चा हुई, लेकिन कोई सहमति नहीं बनी। रूस ने क्रीमिया और अन्य कब्जे वाले क्षेत्रों पर नियंत्रण की मांग की, जबकि यूक्रेन ने अपनी संप्रभुता की रक्षा पर जोर दिया।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने 1 जून को माना की यूक्रेन के किए गए ड्रोन हमलों में देशभर के 5 सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया गया, जिससे कई विमानों को नुकसान पहुंचा था। हालांकि, कितने विमान क्षतिग्रस्त हुए हैं, इसका सटीक आंकड़ा नहीं बताया है। अपने बयान में रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने मुरमान्स्क, इरकुत्स्क, इवानोवो, रयाजान और अमूर क्षेत्रों में स्थित हवाई अड्डों पर फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन से आतंकी हमला किया। मंत्रालय ने कहा कि इवानोवो, रयाजान और अमूर क्षेत्रों के सैन्य एयरबेसों पर सभी आतंकी हमलों को नाकाम कर दिया गया। पहली बार आधिकारिक रूप से यह भी पुष्टि की गई है कि कुछ ड्रोन हमले एयरबेस के बहुत पास से ही किए गए थे।

नेपाल में राजशाही समर्थक आंदोलन कुचलने की तैयारी, गिरफ्तारी के डर से नेता अंडरग्राउंड हुए

आंदोलन में शामिल 61 लोगों पर मुकदमा दर्ज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की सड़कों पर राजशाही की बहाली और हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर उठती आवाजें अब सरकार के निशाने पर हैं। बीते पांच दिनों से जारी इस आंदोलन के तेज होने से सत्ता के गलियारों में बेचैनी भी बढ़ा रही है। अब पीएम केपी शर्मा ओली की सरकार ने इस आंदोलन को कुचलने की खुली तैयारी कर ली है। काठमांडू के रिंग रोड क्षेत्र को दो महीने के लिए प्रतिबंधित घोषित कर दिया गया है। वहीं, राजशाही आंदोलन में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के दो शीर्ष नेता रवींद्र मिश्र और धवल शमशेर राणा समेत 61 लोगों पर सरकार ने मुकदमा भी दर्ज किया है। सभी 61 लोगों पर राज्य के खिलाफ अपराध, अशांति फैलाने और संगठित अपराध जैसे गंभीर

आरोपों में केस दर्ज हुआ है। मिश्र और राणा व अन्य बड़े नेता ओली सरकार की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि ये नेता पार्टी की आंतरिक रणनीतिक बैठकों में शामिल हो रहे हैं, लेकिन सरकार की गिरफ्तारी की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो गए हैं। इनके मोबाइल स्विच ऑफ हैं और बाकी कई नेताओं ने भी अपना संपर्क सीमित कर लिया है। आंदोलन का संचालन अब सोशल मीडिया, निजी चैनलों और पार्टी नेटवर्क से हो रहा है। पीएम ओली की सीपीएन-यूएमएल, नेपाली कांग्रेस व माओवादी केंद्र तीनों दलों ने मिलकर आंदोलन का मुकाबला करने का ऐलान किया है। सोमवार को सिंगदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई बैठक में ओली, नेपाली कांग्रेस प्रमुख शेर बहादुर देउबा व माओवादी नेता पुष्पकमल दहल प्रचंड ने इस मुद्दे पर संयुक्त रुख अपनाने पर सहमति जताई। तीनों दलों ने यह स्पष्ट किया कि वे संविधान-लोकतंत्र विरोधी आंदोलन को सफल नहीं होने देंगे।

पूर्व नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र शाह ने काठमांडू से दूरी बना ली है। वे झापा के दमक में 'मिनी पैलेस' में रह रहे हैं। दो हफ्ते वहीं रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि वे निजी स्तर पर राजनीतिक मुलाकातें कर रणनीति बना रहे हैं। हालांकि उनके सचिवालय ने किसी भी औपचारिक राजनीतिक कार्यक्रम से इनकार किया है। प्रेस सचिव फणिन्द्र पाठक ने कहा, यात्रा पूर्व-निर्धारित है। वे झापा जाते रहते हैं। पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह ने राजशाही समर्थकों के साथ दीप जलाकर नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर श्रद्धांजलि दी। फोटोः प्रकाश चन्द्र तिमिल्सेना काठमांडू में रविवार को नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर राजशाही समर्थकों ने मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत शाही परिवार को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम की खास बात पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह और उनके पुत्र ह्रदयेंद्र शाह की मौजूदगी रही। यह पहली बार है जब हालिया आंदोलन के दौरान शाही परिवार की सक्रियता सार्वजनिक रूप से सामने आई है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान नेपाल की पूर्व राजकुमारी के साथ हजारों की संख्या में राजशाही समर्थक भी जुटे थे। राजकुमारी ने समर्थकों संग सार्वजनिक रूप से श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होकर यह संदेश दिया कि नेपाल की आबादी का एक बड़ा वर्ग अब भी राजशाही में आस्था रखता है।

संपादकीय

वाजिब चिंता, वायुसेना प्रमुख की चेतावनी

दुनिया फिलहाल जिस संवेदनशील दौर से गुजर रही है और भारत के सामने अपने कुछ पड़ोसी देशों के अस्थिर रुख की चुनौतियां खड़ी रहती हैं, वैसे में सुरक्षा का हर मोर्चा हर वक्त पूरी तरह चौकस और दुरुस्त रहना एक अनिवार्य तकाजा है। निश्चित रूप से देश की सरकार ने इस संबंध में कोताही नहीं बरतती होगी। लेकिन यह ऐसा मसला है, जिसमें हमेशा ज्यादा बेहतर करने की जरूरत होती है, कमियों पर ध्यान देना जरूरी होता है ।इस लिहाज से देखें तो देश के वायुसेना प्रमुख एअर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने गुरुवार को महत्त्वपूर्ण रक्षा परियोजनाओं के तहत संसाधनों की खरीद और आपूर्ति को लेकर जो सवाल उठाए हैं, उन पर गौर किया जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने रक्षा सौदों में आपूर्ति में देरी पर चिंता जाहिर करते हुए घरेलू रक्षा क्षेत्र पर गंभीरता से विचार करने के लिए जिन बातों की ओर ध्यान दिलाया है, उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। वायुसेना प्रमुख ने साफ शब्दों में कहा कि इस क्षेत्र में कई परियोजनाओं के वादे तो किए गए, लेकिन निर्धारित समय में एक भी परियोजना पूरी नहीं हो सकी। जबकि बढ़ती चुनौतियों और संवेदनशीलता के मद्देनजर देखें तो समय सीमा सबसे अहम मुद्दा होना चाहिए ।सवाल है कि जिस मसले पर सरकार को अपनी ओर से चुनौतियों की पहचान और उसका हल निकालने की पहल करनी चाहिए, उसकी फिक्र वायुसेना प्रमुख को जाहिर करने की जरूरत क्यों पड़ी। यह छिपा नहीं है कि समूची दुनिया में अलग-अलग देशों के बीच समीकरण किस तेजी से बदल रहे हैं। कारणों पर बहस हो सकती है, लेकिन यह जगजाहिर है कि अचानक पैदा हुई परिस्थितियों में किसी देश के सामने टकराव से लेकर युद्ध तक के हालात में सुरक्षा संबंधी गंभीर चुनौती खड़ी हो सकती है ।ऐसे में अगर सैन्य बलों की ओर से परियोजनाओं के समय पर पूरा नहीं होने पर चिंता जाहिर की जाती है, तो यह सरकार के लिए तत्काल विचार करने और कमियों पर गौर करने का मामला होना चाहिए। वायुसेना प्रमुख की यह बात बेहद अहम है कि युद्ध का चरित्र बदल रहा है तो हर दिन हम नई तकनीकें देख रहे हैं। जाहिर है, इसी मुताबिक खुद को तैयार रखने की जरूरत है ।भारत ने कई मौकों पर इस तरह की चुनौतियों को बेहद करीब से देखा और इसका सामना किया है, जिसमें पाकिस्तान या चीन जैसे पड़ोसी नाहक ही टकराव जैसे हालात पैदा करते रहते हैं। हालत यह है कि पाकिस्तान को किसी भी समय संघर्ष विराम का उल्लंघन करने में हिचक नहीं होती, तो चीन की गतिविधियां भी भारत के लिए चिंता का कारण रही हैं। ऐसे में सीमा पर कब कैसी परिस्थितियां पैदा हो जाएं, यह तय कर पाना मुश्किल है ।ऐसे में अगर लड़ाकू विमानों की खरीद का सौदा तय हो जाए, लेकिन उसकी आपूर्ति और तैनाती के समय को लेकर सजगता नहीं बरती जाए, तो इसके क्या नतीजे हो सकते हैं? पिछले कुछ वर्षों के दौरान युद्ध और तकनीकी के मोर्चे पर दुनिया भर में जिस तरह के बदलाव आए हैं, उसमें जरूरत इस बात की है कि सेना को सभी और नए जरूरी साजो-सामान से लैस किया जाए ।रक्षा परियोजनाओं के तहत अगर किसी संदर्भ में वादे किए जाते हैं, तो उन्हें समय पर पूरा करने को लेकर भी उतनी ही सजगता होनी चाहिए। रक्षा क्षेत्र में तकनीकी और संसाधनों के विकास के मामले में आत्मनिर्भरता सबसे बेहतर समाधान है।

नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है।

लाल आतंक के गढ़ में लहरा रहा तिरंगा

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए।

चार दशक से ज्यादा समय तक नक्सलवाद का शिकार रहे छत्तीसगढ़ का बस्तर जिले को अब वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) जिले की सूची से बाहर कर दिया गया है। अपने आप में ये बड़ी खबर है। दरअसल मोदी सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाए। गृह मंत्री अमित शाह भी कई बार सार्वजनिक मंच से इस बात को दोहरा चुके हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है।

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए। नक्सलियों के खिलाफ राज्य सरकारों के विशेष बल, केंद्रीय सुरक्षा बलों, पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। इससे नक्सली घटनाओं में जबरदस्त कमी आयी।

2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जिसे भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती कहा था, वही नक्सलवाद अब खत्म होता दिख रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक रेड कॉरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। 2013 में लगभग 126 जिलों में नक्सली सक्रिय थे। वर्तमान में नक्सलवाद से सबसे

ज्यादा प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई। इनमें छत्तीसगढ़ के चार जिले- बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का एक जिला- पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का एक जिला- गढ़चिरौली शामिल है।

वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में अब तक 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। वहीं 865 ने समर्पण किया है और 830 गिरफ्तार हुए हैं। गत 21 मई को सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ में डेढ़ करोड़ के इनामी नंबला केशव उर्फ बसवराज को मार गिराया था। वह तीन दशक से सक्रिय था। इसे नक्सलियों का हाफिज सईद भी कहा जाता है। नक्सलियों के सरदार बसवा राजू के ढेर होने के बाद माओवादियों का हौसला पस्त हो गया है। इस बड़े एनकाउंटर के बाद दक्षिण बस्तर डिवीजन में 4 हार्डकोर नक्सलियों सहित 18 माओवादियों ने सरेंडर किया था। इसी तरह बीजापुर में 32 और तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। बासव राजू की मौत के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर लिखा था कि महासचिव स्तर के बड़े नक्सली नेता को मारा गया है। इस कामयाबी को हासिल करने वाला 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' भी सुर्खियों में है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज़ किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज़ किया जा चुका है।

वर्ष 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014 से 2024 के बीच हिंसक घटनाओं की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 7,744 रह गई हैं। इसी प्रकार, सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या 1851 से 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई और नागरिकों की मृत्यु की संख्या 70 प्रतिशत की कमी के साथ 4766 से 1495 रह गई है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 ज़िले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए गए हैं।

नक्सली हिंसा में 2010 में 720 नागरिक मारे गए। 2024 में मरने वालों की संख्या घटकर 131 हो गई। नक्सली हिंसा में 2010 में 1005 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। 2024 में 150 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। यानि कि मरने वालों की संख्या में 85 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। नक्सली आर्थिक ढांचे जैसे कि रेलवे प्रॉपर्टी, पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर की इकाइयों, टेलीफोन एक्सचेंज, मोबाइल टॉवर, सड़क, स्कूल को निशाना बनाते रहे हैं। पर पिछले कुछ साल से इन घटनाओं में कमी आई है। 2010 में हमले की ऐसे 365 मामले थे, जो 2024 में घटकर 25 रह गए।

पिछले एक दशक में मिली सफलता का श्रेय सुरक्षा रणनीति के साथ ही विकास योजनाओं में आई तेजी को भी जाता है। सरकार ने लक्षित विकास योजनाएं चलाई, जिनसे लोगों का भरोसा दोबारा जीता जा सका। सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कामों ने स्थानीय लोगों के दिलों में जगह बनाई है। वहीं, 'रोशनी योजना' ने आदिवासी युवाओं को कौशल विकास और रोजगार प्राप्त करने में मदद की है।

केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि वह उन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के दबाव में नहीं आएगी, जो बंदूक उठाने वाले माओवादी उग्रवादियों का समर्थन करते हैं। पिछले एक दशक से सरकार ने माओवाद के खिलाफ एक मजबूत और बहुआयामी रणनीति अपनाई है, जो अब काफी असरदार साबित हो रही है।

गृह मंत्रालय की 2017 में शुरू की गई 'समाधान' रणनीति ने जमीन पर बड़ा फर्क डाला है। इसमें सुरक्षा संबंधी कार्ययोजना के साथ-साथ विकास से जुड़ी पहल भी शामिल है।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान मोदी सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रतीक है। इस से पहले कोई सरकार ऐसी इच्छाशक्ति दिखा नहीं पाई। ध्यान इस बात का रखना होगा कि नक्सलवाद फिर सिर न उठा पाए, इसके लिए प्रभावित इलाकों में अगला चरण लोकोन्मुखी सरकार, भूमि अधिकार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आर्थिक उत्थान पर फोकस होना चाहिए।

आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक जरूरी

(सुरेश हिंदुस्तानी)

यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है।

आतंकवाद को आश्रय देने वाले देश पाकिस्तान की असलियत को उजागर करने के लिए भारत ने बहुत बड़े रणनीतिक स्तर पर कार्य किया है। एक तरफ जहां पाकिस्तान केवल तीन ऐसे मुस्लिम देशों का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा है, जो उसे पहले से ही समर्थन कर रहे थे। वहीं भारत ने इससे आगे बढ़कर वैश्विक समुदाय के समक्ष पाकिस्तान को आतंकियों को संरक्षण देने वाला देश बताने में कोई संकोच नहीं किया। भारत ने विश्व के तमाम देशों में अपने प्रतिनिधि मंडल भेजकर भारत का पक्ष रखकर यह बताने का प्रयास किया है कि आतंकी हमला पाकिस्तान की

ओर से किया गया। इसके विपरीत भारत की ओर से केवल जवाबी कार्यवाही ही की गई है, जिसका भारत को पूरा अधिकार है। भारत के प्रतिनिधि मंडलों की ओर से इस सच को दुनिया को बताने का प्रयास किया जा रहा है कि भारत की ओर से पाकिस्तान पर हमला नहीं किया गया, बल्कि आतंकवाद पर प्रहार किया गया। इसी बात पर भारत को विश्व समुदाय का समर्थन भी मिल रहा है। सबसे खास बात यह है पाकिस्तान में जहां अपनी ही सरकार विपक्ष के निशाने पर है, वहीं भारत सरकार ने अपनी कूटनीतिक चाल चलते हुए इन प्रतिनिधि मण्डलों में सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ ही विपक्ष के कई प्रभावी नेताओं को शामिल किया है। यही नेता विश्व के देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रख रहे हैं। इससे स्वाभाविक रूप से विश्व बिरादरी से पाकिस्तान पर अलग थलग होने का गंभीर खतरा भी उत्पन्न हो गया है। यह बात सही है कि पाकिस्तान में आश्रय और संरक्षण प्राप्त करने वाले आतंकी आकाओं को आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए वित्त पोषण प्राप्त होता रहा है। इसका आशय स्पष्ट है कि पाकिस्तान आतंक को समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि आतंकवादियों को जब तक वित्त पोषित कया जाता रहेगा, तब तक पाकिस्तान की ओर से आतंक फैलाने वालों पर अंकुश लगाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सबसे पहले उसके वित्त पोषण पर रोक लगाना बहुत जरूरी है।

यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है। आज के समय में पाकिस्तान इस बात को नकारने का साहस नहीं कर सकता कि उसके देश में आतंकवादी संगठन सक्रिय नहीं हैं। क्योंकि यह तथ्य विश्व के सामने उजागर हो चुका है। आज भी पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा, लश्कर ए ओमर, जैश ए मोहम्मद, हरकतुल मुजाहिद्दीन, सिपाह ए सहाबा, हिज़्बुल मुजाहिदीन आदि पाकिस्तान में रहकर अपनी आतंकी गतिविधियाँ चलाते हैं। कई मामलों में आईएसआई से इन्हें सक्रिय प्रशिक्षण एवं अन्य सहयोग भी मिलते हैं। इतना ही नहीं कई बार सेना और सरकार का भी खुला संरक्षण भी इनको मिलता रहा है। पाकिस्तान सरकार की मानें तो उसके यहां 20 से अधिक आतंकी संगठन सक्रिय हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस संख्या को 150 से अधिक तक बताता है। वहीं, अमेरिकी स्टेट डिमार्टमेंट के मुताबिक यह संख्या 70 से अधिक है। वैश्विक समुदाय के दबाव में पाकिस्तान कई बार आतंकी समूहों के विरोध में कार्यवाही करने की बात करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर सेना और राज्य सरकारों की ओर से आतंकी संगठनों को खाद पानी प्राप्त होता रहता है। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद की जड़ें बहुत ही गहरी हैं।

दूध सेहत का सार है। दूध वो दरिया है जिसमे सभी को डूब के जाना है। कहने का तात्पर्य यह है कि दूध एक विशाल नदी की तरह है जिसमे प्रत्येक स्तनधारियों को पैदा होने के बाद एक बार डुबकी लगानी ही पड़ती है। अर्थात पैदा होते ही बच्चे सर्वप्रथम अपनी माँ का दूध अवश्य पीते है। दूध को क्षीर, दुग्ध, पय, गोरस,और दोहज आदि नामों से भी जाना जाता है। दूध स्तनधारियों की स्तन ग्रंथियों द्वारा उत्पादित होता है। दूध पोषकता से भरपूर होता है।

दूध की दिव्यता का स्रोत है दुग्धशाला

(डॉ. शंकर सुवन सिंह)

दूध में प्रोटीन का 80 प्रतिशत हिस्सा केसिन के रूप में होता है और बाकी 20 प्रतिशत हिस्सा व्हे का होता है। दूध में व्याप्त केसिन प्रोटीन, कैल्शियम और फॉस्फेट के साथ मिलकर छोटे छोटे कण बनाते हैं जिन्हें मिसेल्स कहा जाता है।

दूध सेहत का सार है। दूध वो दरिया है जिसमे सभी को डूब के जाना है। कहने का तात्पर्य यह है कि दूध एक विशाल नदी की तरह है जिसमे प्रत्येक स्तनधारियों को पैदा होने के बाद एक बार डुबकी लगानी ही पड़ती है। अर्थात पैदा होते ही बच्चे सर्वप्रथम अपनी माँ का दूध अवश्य पीते है। दूध को क्षीर, दुग्ध, पय, गोरस,और दोहज आदि नामों से भी जाना जाता है। दूध स्तनधारियों की स्तन ग्रंथियों द्वारा उत्पादित होता है। दूध पोषकता से भरपूर होता है। स्तनधारी प्राणियों का पृथ्वी पर अवतरण होते ही उनके बच्चों के जीवन की शुरुआत दूध से होती है। दूध जीवन को जीवंत करने का विशिष्ट गुण रखता है। अतएव दूध स्तनधारियों के बच्चों के जीवन के विकास के लिए एक मुख्य पोषण स्रोत है। दूध के पोषक तत्व बच्चों के निरोगी भविष्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

आउटलाइन्स ऑफ़ डेयरी टेक्नोलॉजी पुस्तक के लेखक सुकुमार डे. के अनुसार दूध की संरचना में पानी, वसा, प्रोटीन, लैक्टोज (दूध की चीनी) और खनिज (लवण) शामिल हैं। इनके अलावा, दूध में अन्य पदार्थ जैसे वर्णक (पिगमेंट), एंजाइम, विटामिन, फॉस्फोलिपिड और गैसें भी मौजूद होती हैं। सामान्यतः पानी की मात्रा लगभग 87.34 प्रतिशत होती है। वसा लगभग 3.75प्रतिशत और प्रोटीन लगभग 3.45प्रतिशत , लैक्टोज लगभग 4.6प्रतिशत और खनिज लगभग 1त्न से कम होता है। सामान्यतः दूध में व्याप्त पूर्ण ठोस (टोटल सॉलिड) जो लगभग 12.66 प्रतिशत है उसी की वजह से दूध अपारदर्शी है और दूध में व्याप्त पानी जो लगभग 87.34 प्रतिशत है उसकी वजह से दूध तरल है। अगर हम दूध में मौजूद पानी की बात करें तो सबसे ज्यादा पानी गधी के दूध में 91.5प्रतिशत होता है। पानी की मात्रा घोड़ी में 90.1प्रतिशत , मनुष्य में 87.4प्रतिशत , गाय में 87.2प्रतिशत , ऊंटनी में 86.5प्रतिशत और बकरी में 86.9प्रतिशत होता है। दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, ज़िंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, विटामिन डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी-12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के वसा रहित दूध (स्किम्ड मिल्क) में कोलेस्ट्रॉल 2-5 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है। पूर्ण वसा (फुल क्रीम) वाले दूध में कोलेस्ट्रॉल 10-15 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है।

आंकड़ों के अनुसार एक स्वस्थ्य व्यक्ति 300 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल प्रतिदिन ले सकता है। अतएव दूध पीने से हृदयघात होने की संभावना नगण्य होती है। दूध में मुख्यतः केसिन और व्हेय नामक दो प्रोटीन पाए जाते हैं। दूध में प्रोटीन का 80 प्रतिशत हिस्सा केसिन के रूप में होता है और बाकी 20 प्रतिशत हिस्सा व्हे का होता है। दूध में व्याप्त केसिन प्रोटीन, कैल्शियम और फॉस्फेट के साथ मिलकर छोटे छोटे कण बनाते हैं जिन्हें मिसेल्स कहा जाता है। जब प्रकाश इन मिसेल्स से टकराता है तो यह प्रकाश अपरिवर्तित होकर फ़ैल जाता है। दूध में पाए जाने वाला वसा के कण (फैट ग्लोबुल्स) भी प्रकाश के प्रकीर्णन का कारण बनते हैं। अतएव दूध का रंग सफ़ेद दिखाई देता है। कहने का तात्पर्य यह है कि जिस दूध में जितना ज्यादा वसा (फैट) होगा उसका रंग उतना ही सफ़ेद दिखाई देगा। गाय के दूध में भैंस के दूध की अपेक्षा वसा (फैट) कम होता है और केसिन नामक प्रोटीन भी कम होता है। इसलिए गाय का दूध हल्का पीला दिखाई देता है। दूध में कैरोटीन और कैसिन नामक दो वर्णक (पिगमेंट) होते हैं जो उसके रंग को प्रभावित करते हैं। अतएव कैरोटीन की वजह से गाय के दूध में हल्का पीला रंग होता है, जबकि कैसिन की वजह से दूध का रंग सफेद होता है। भैंस के दूध में केरोटीन कम होता है और फैट ज्यादा। जबकि गाय के दूध में केरोटीन ज्यादा और फैट अपेक्षाकृत कम होता है। अतएव हम कह सकते हैं कि दूध एक अपारदर्शी, सफेद तरल उत्पाद है।

दूध दिव्य है। यह एक संपूर्ण आहार है। डेयरी (दुग्धशाला), दूध का स्रोत हैं। दूध पोषक तत्वों का स्रोत है। डेयरी (दुग्धशाला) वो शब्द है जिसमे दूध और दूध से बने सभी उत्पाद के रखरखाव, संरक्षण और पैकेजिंग आदि की व्यवस्था होती है। डेयरी शब्द को दुग्ध उद्योग से जोड़ कर देख सकते हैं। दूध को विभिन्न डेरी उत्पादों में परिवर्तन के लिए प्रसंस्करण किया जाता है। दूध के विभिन्न उप उत्पाद भी होते हैं जिन्हे तकनीकी भाषा में मिल्क बाई प्रोडक्ट (दूध के उप उत्पाद) भी कहा जाता है। डेयरी उत्पाद में दूध प्राथमिक घटक के रूप में प्रयोग होता है। जैसे की दूध, दही, पनीर, आइसक्रीम। डेयरी उप उत्पादों में व्हेय, छाछ, स्किम मिल्क, घी के अवशेष (घी रेजिड्यू) आदि आते हैं। दूधऔर डेयरी (दुग्धशाला) का सम्बन्ध बगिया और माली जैसा है। जिस प्रकार एक माली अपनी बगिया को सींचता और सम्हालता है। उसी प्रकार एक माली रूपी डेयरी (दुग्धशाला), बगियारूपी दूध को सम्हालता और संरक्षित करता है। डेयरी (दुग्धशालाएँ) दूध की सुंदरता और उनकी दिव्यता का द्योतक है। दूध का रखरखाव और उसको ताजा बनाए रखने की जिम्मेदारी डेयरी (दुग्धशाला) की होती है। जिसको तकनीकी भाषा में शेल्फ लाइफ ऑफ़ मिल्क कहा जाता है। अर्थात दूध की पोषकता को लम्बे समय तक बनाए रखना। पोषकता का सम्बन्ध शुद्धता से होना चाहिए।

घर में सीखेंगे और बढ़ेंगे नन्हे: बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी जरूरी हैं

बच्चे के संस्कार और शिष्टाचार उसके खुद के जीवन की ही नहीं बल्कि पूरे समाज की दिशा और दशा तय करते हैं। बच्चों में संस्कार और शिष्टाचार उनके माता-पिता से आते हैं और इनको विकसित करने में उनकी बहुत बड़ी भूमिका होती है। बचपन में दी गई शिक्षा व्यक्ति के साथ आजीवन रहती है इसलिए बच्चों को सही दिशा देना बहुत ज़रूरी है। अभिभावक चार साल की उम्र के बाद नन्हों को घर में ही क्या-क्या सिखा सकते हैं, जानिए इस लेख में।

कृपया-शुक्रिया कहना

यह एक आम लेकिन अहम शिष्टाचार है जो बच्चों को सबसे पहले सिखाना चाहिए। बचपन से ही 'प्लीज या कृपया' और 'थैंक यू या धन्यवाद' कहने का महत्व बताएं। बताएं कि जब हम किसी से कुछ पूछते या विनती करते हैं, तो उस वक़्त निवेदन के तौर पर प्लीज़ कहना चाहिए और किसी की मदद लेने पर या कोई भी चीज़ लेते समय थैंक यू कहना चाहिए। अगर अभिभावक बच्चे से स्वयं कुछ लेने पर थैंक यू और निवेदन करते हुए प्लीज़ कहेंगे तो वह खुद-ब-खुद इसे अपना लेगा। ग़लती करने पर माफ़ी मांगना भी आना चाहिए।

कुछ लेने से पहले पूछना

अगर बच्चे को कुछ चाहिए तो उसमें पहले पूछने की आदत डालें। उसको बताएं कि वो हमेशा किसी की कोई भी चीज़ लेने से पहले उससे पूछ ले क्योंकि वह किसी और का सामान है। किसी और का सामान वो बिना पूछे और बिना इजाज़त के नहीं उठा सकता। फिर चाहे वह सामान उसके दोस्त, रिश्तेदार या माता-पिता का ही क्यों न हो, लेने से पहले पूछना ज़रूरी है। बच्चे को यह भी सिखाएं कि उसने जो वस्तु ली है, उसे 'थैंक यू' कहते हुए वापस करे और यहां-वहां न रखते हुए पूर्व स्थान पर ही रखे।

पहले दरवाज़ा खटखटाना

बच्चों को विशेषकर घर में निजता के मायने सीखने चाहिए। किसी के कमरे में जाने से पहले बाक़ायदा दरवाज़ा खटखटाकर अंदर आने के लिए पूछना ज़रूरी है, यह घर में सिखा सकते हैं। अगर बच्चे का कमरा अलग है तो आप उसके कमरे में खटखटाकर जाएं। उससे कहें कि 'इसी तरह दूसरों के कमरे में या किसी के घर में भी प्रवेश करने से पहले आपको खटखटाकर ही अंदर जाना है।' जब बच्चा घर से बाहर की दुनिया में क़दम रखेगा तो यह शिष्टाचार अहम भूमिका निभाएगा।

बात करने की तहज़ीब

चिल्लाना, ग़ुस्सा करना और शोर मचाना किसी से बात करने का सही तरीक़ा नहीं है। बच्चा जितना भी ग़ुस्से में हो उसे प्यार से बात करना और अपनी बात को आराम से कहना सिखाएं। आप बच्चे के सामने ऐसा ही व्यवहार करके उसे भी अच्छी तरह बोलना सिखा सकते हैं। इसके अलावा बच्चे को सिखाएं कि जब कोई दूसरा व्यक्ति बात कर रहा हो तो उसकी बात पूरी होने तक का इंतज़ार करे, फिर अपनी बात को रखें। अगर कोई कुछ पूछ रहा है तो शांति से उसका जवाब दें।

लोगों का मज़ाक नहीं उड़ाना

किसी को देखकर मज़ाक उड़ाने की आदत कई बच्चों में देखी होगी। बचपन की आदत उस वक़्त तो प्यारी लगती है, लेकिन बड़े होने पर बेअदबी में बदल जाती है। बेहतर होगा कि बच्चे में इसकी सीख पहले से डालें। हालांकि यह आदत बच्चे बड़ों से ही सीखते हैं। ऐसे में बड़े उनके सामने किसी के बारे में कुछ कहने या मज़ाक बनाने से बचें।

सफ़ाई संबंधी सीख

साफ़-सफ़ाई से रहना भी सिखाएं। बच्चे को सिखाएं कि जब भी खांसी या छींक आती है तो रुमाल से अपना मुंह ढकना चाहिए। बच्चे की जेब में एक रुमाल रख दें, शर्ट-टी या शर्ट पर उसे पिन से फंसा दें। साथ ही नाक में उंगली डालने या खाना फैलाकर खाने जैसी बुरी आदतों से भी अवगत कराएं।

नींबू पानी है सेहत के लिए बेहद फायदेमंद

जान लें पीने का सही समय वरना खराब हो जाएगी सेहत

गर्मियों में हाइड्रेट रहने और शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने के लिए सबसे पहले जो ड्रिंक पसंद की जाती है, वो है नींबू पानी। पानी में नींबू, चीनी और नमक का घोल भी गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचाने का काम करता है। नींबू पानी पीने से शरीर तरोताजा हो जाता है और दिमाग भी शांत रहता है। इसी तरह, यह गर्मी और उमस से होने वाली जलन से भी राहत दिलाता है। लेकिन अगर आप नींबू पानी को गलत समय पर पीते हैं, तो आपको ये सारे फायदे नहीं मिल पाएंगे।

नींबू पानी कब पीना चाहिए?

नींबू में विटामिन सी होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। इसी तरह, नींबू में एंटीऑक्सीडेंट और इलेक्ट्रोलाइट्स भी पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जावान और स्वस्थ रखते हैं। इसीलिए गर्मियों में कमजोरी महसूस होने पर सबसे पहले नींबू पानी पीने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं गर्मियों में नींबू पानी कब पीना चाहिए।

नींबू पानी पीने का सही समय क्या है:

वजन कम करने के लिए खाली पेट: वजन घटाने और बॉडी डिटॉक्स के लिए सुबह खाली पेट नींबू पानी का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर अंदर से साफ होता है और शरीर का मेटाबॉलिज्म भी बढ़ता है। जिससे वजन तेजी से घटता है।

लंच के बाद नींबू पानी: जिन लोगों को पाचन तंत्र से जुड़ी समस्या है, उन्हें लंच के बाद नींबू पानी पीना चाहिए। आप लंच के 30 मिनट बाद एक गिलास नींबू पानी पी सकते हैं।

वर्कआउट के बाद नींबू पानी: वर्कआउट करने के बाद आप शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स के लेवल को संतुलित करने के लिए नींबू पानी पी सकते हैं। इससे आपको तुरंत एनर्जी मिलती है और थकान कम होती है।

नींबू पानी कब नहीं पीना चाहिए?

अगर आप रात में नींबू पानी पीते हैं, तो यह आपके पाचन को खराब कर सकता है। इससे एसिडिटी, एलर्जिक रिएक्शन और बार-बार पेशाब आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। नींबू में सिट्रिक एसिड होता है, ऐसे में सुबह खाली पेट नींबू पानी पीने से एसिडिटी बढ़ने की संभावना होती है, खासकर अगर आपको पहले से ही एसिडिटी की समस्या है तो इस स्थिति में नींबू पानी न पिएं।

गर्मियों के मौसम में जरूर खाएं पोषक तत्वों से भरपूर आड़ू

दूर हो जाएंगी सेहत से जुड़ी ये समस्याएं

गर्मियों के मौसम में हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर आड़ू खाने की सलाह देते हैं। ये मीठा और रसीला फल आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आड़ू में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन के, फाइबर, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

सही मात्रा में और सही तरीके से आड़ू का सेवन कर आप अपनी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधार सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप इस फल को कंज्यूम कर सकते हैं। इसके अलावा गर्मियों में डिहाइड्रेशन के खतरे को कम करने के लिए भी आड़ू का सेवन किया जा सकता है। लू से बचने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

बूस्ट करे इम्यून सिस्टम

क्या आप कमजोर इम्यून सिस्टम की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं? अगर हां, तो आपको आड़ू का सेवन करना शुरू कर देना चाहिए। आड़ू में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकते हैं। जोड़ों के दर्द से राहत पाने के लिए भी इस फल को डाइट प्लान में शामिल किया जा सकता है।

हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आड़ू में पाए जाने वाले तत्व आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाए रखने में असरदार साबित हो सकते हैं। सही मात्रा में और सही तरीके से आड़ू को कंज्यूम कर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाने के लिए भी इस फल को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। कुल मिलाकर पोषक तत्वों से भरपूर ये फल आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

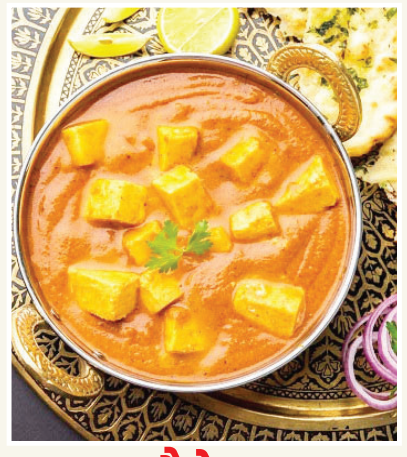

खास मौके पर बनाए पनीर टिक्का बटर मसाला

पनीर टिक्का बटर मसाला एक बहुत ही स्वादिष्ट और लोकप्रिय भारतीय डिश है। यह खासकर तब तैयार किया जाता है जब कोई खास मौका हो, जैसे किसी त्यौहार, पार्टी, या विशेष आयोजन पर। यह पनीर का स्वाद और बटर मसाला की गहराई, दोनों का बेहतरीन मेल है। अगर आप भी इस स्वादिष्ट डिश को बनाना चाहते हैं तो यहां हम आपको इसकी सरल और आसान रेसिपी बताएंगे।

पनीर टिक्का बटर मसाला बनाने के लिए सामग्री

पनीर (क्यूब्स में कटे हुए) - 250 ग्राम
दही - 1/2 कप
लाल मिर्च पाउडर - 1 1/2 चम्मच
हल्दी पाउडर - 1/4 चम्मच
गरम मसाला - 1 चम्मच
अदरक-लहसुन का पेस्ट - 1 चम्मच
नींबू का रस - 1 चम्मच
जीरा पाउडर - 1/2 चम्मच
नमक - स्वाद अनुसार
तेल - 2 चम्मच
तंदूरी मसाला (वैकल्पिक) - 1 चम्मच
बटर मसाला के लिए सामग्री
बटर - 2 1/2 चम्मच
तेल - 1 चम्मच
प्याज (बारीक कटा हुआ) - 1
टमाटर (प्यूरी बनाई हुई) - 2 मध्यम आकार
हरी मिर्च - 1 (बारीक कटी हुई)
अदरक-लहसुन का पेस्ट - 1 चम्मच
कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर - 1 चम्मच
हल्दी पाउडर - 1/4 चम्मच
धनिया पाउडर - 1 चम्मच
गरम मसाला - 1/2 चम्मच
क्रीम - 1/4 कप
चीनी - 1 चम्मच
नमक - स्वाद अनुसार
पानी - 1/2 कप
ताजे धनिए के पत्ते - सजावट के लिए
पनीर टिक्का बनाने की विधि

1. सबसे पहले, पनीर के टुकड़ों को एक बाउल में रखें। अब उसमें दही, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, गरम मसाला, अदरक-लहसुन का पेस्ट, नींबू का रस, जीरा पाउडर और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण में पनीर के टुकड़ों को अच्छी तरह से कोट करें।

2. पनीर को कम से कम 30 मिनट तक मैरिनेट होने दें ताकि मसाले अच्छे से पनीर में समा जाएं। अगर समय हो तो इसे 1-2 घंटे के लिए फ्रिज में भी रख सकते हैं।

3. अब एक तवा या ग्रिल पैन को अच्छे से गर्म करें और उसमें थोड़ा तेल लगाकर पनीर के टुकड़ों को रखें। पनीर को दोनों तरफ से अच्छे से ग्रिल करें, ताकि वह सुनहरा और क्रिस्पी हो जाए। आप इसे ओवन में भी बेक कर सकते हैं, ओवन को 200डिग्री पर प्रीहीट करके 15-20 मिनट तक बेक करें।

4. अब एक पैन में बटर और तेल गरम करें। फिर उसमें बारीक कटा हुआ प्याज डालें और उसे हल्का सुनहरा होने तक भूनें। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर 1-2 मिनट तक भूनें। अब इसमें टमाटर की प्यूरी डालें और अच्छे से मिला कर 5-7 मिनट तक पकने दें, ताकि टमाटर का कच्चापन खत्म हो जाए।

5. अब इसमें कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। फिर 1/2 कप पानी डालकर 5 मिनट तक पकाएं। अब इसमें क्रीम डालें और अच्छी तरह से मिला लें। इसे 2-3 मिनट तक और पकने दें ताकि बटर मसाला का स्वाद अच्छे से निकल आए।

6. थोड़ी सी शक्कर डालकर एक बार फिर मिला लें ताकि मसाले में थोड़ी सी मिठास आ जाए, जिससे स्वाद और बढ़ जाए। फिर ग्रिल किए हुए पनीर के टुकड़ों को बटर मसाला में डालें और हल्के हाथों से मिला लें ताकि पनीर अच्छे से मसाले में लिपट जाए।

पनीर टिक्का बटर मसाला तैयार है। अब इसे ताजे धनिए के पत्तों से सजा लें और गरमा गरम नान, रोटी, या जीरा राइस के साथ सर्व करें। अब आप भी इस सरल रेसिपी को घर पर बनाकर अपने परिवार और दोस्तों के साथ खास मौकों पर एन्जॉय कर सकते हैं।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने डॉक्टर जयराम रघुनाथ को स्कूल ऑफ लॉ का डीन नियुक्त किया

नई दिल्ली/हैदराबाद। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने डॉक्टर जयराम रघुनाथ को स्कूल ऑफ लॉ का नया डीन नियुक्त करने की घोषणा की है। डॉक्टर रघुनाथ एक निपुण शिक्षाविद, विधि शिक्षक और शोधकर्ता हैं जिन्हें कानून में 25 वर्ष से अधिक का गहरा अनुभव है और उन्होंने कॉरपोरेट प्रैक्टिस और संस्थागत नेतृत्व किया है। महिन्द्रा युनिवर्सिटी में आने से पूर्व डॉक्टर रघुनाथ ने जीडी गोयनका युनिवर्सिटी और मणिपाल युनिवर्सिटी, जयपुर में डीन के तौर पर सेवाएं दी हैं। वह संस्थागत मध्यस्थता केंद्रों की स्थापना समेत विधि शिक्षा में पेशेवर अभ्यास को एकीकृत करने के अग्रणी प्रयासों की अगुवाई की और उनके द्वारा स्थापित मध्यस्थता केंद्रों को एपीसीएएम द्वारा सर्वोत्तम एडीआर नवप्रवर्तन के तौर पर मान्यता दी गई। सीखने वालों पर केंद्रित और उद्योग के अनुरूप पाठ्यक्रम डिजाइन और अनुदेशात्मक डिजाइन पर विशेष जोर के साथ ही सीखने का आश्वासन और टेक्नोलॉजी एकीकरण में उनकी विशेषज्ञता है जिससे भविष्य के अनुरूप शिक्षा में नवप्रवर्तन को प्रोत्साहन मिल रहा है।

इस युनिवर्सिटी में डॉक्टर रघुनाथ का स्वागत करते हुए महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर यजुलू मेदुरी ने कहा, हमें स्कूल ऑफ लॉ के डीन के तौर पर डॉक्टर जयराम रघुनाथ का स्वागत करते हुए बेहद खुशी है। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और नवप्रवर्तन एवं अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, विधि शिक्षा की नए सिरे से कल्पना करने के महिन्द्रा युनिवर्सिटी के मिशन के अनुरूप है। जैसा कि हम भविष्य में ऐसे कानूनी पेशेवर तैयार करने के लिए प्रयासरत हैं जो एक गतिशील वैश्विक परिदृश्य की जटिलताओं का पता लगा सकें, डॉक्टर रघुनाथ का नेतृत्व एक ऐसे विश्वस्तरीय, अंतरक्षेत्रीय विधि पारितंत्र का निर्माण करने में सहायक होगा जिसकी जड़ें नवप्रवर्तन, नैतिकता और प्रभाव में शामिल हों। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉक्टर जयराम रघुनाथ ने कहा, यह भारत में विधि शिक्षा के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और मैं महिन्द्रा युनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लॉ का नेतृत्व करने को लेकर उत्साहित हूं क्योंकि यह एक मजबूत विजन और वैश्विक नजरिये के साथ नए मोर्चे पर अग्रणी है।

तेजस कार्गो इंडिया ने एफवाय25 में 50 प्रतिशत की ईबीआईटीडीए वृद्धि दर्ज की!

मुंबई। देशभर में अपनी मजबूत उपस्थिति के साथ अग्रणी लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता तेजस कार्गो इंडिया लिमिटेड ने अपनी एच2 और वित्त वर्ष 2024-25 की ऑडिटेड वित्तीय रिपोर्ट जारी की। तेजस कार्गो इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री चंदर बिंदल ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 तेजस कार्गो इंडिया के लिए एक परिवर्तनकारी वर्ष रहा है। हमने नेट प्रॉफिट में 45 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की, जो बेहतर एसेट उपयोग, लागत प्रबंधन और स्केल विस्तार के कारण संभव हुआ। हमारे प्रमुख मील के पत्थर में एनएसई इमर्ज पर सफल लिस्टिंग, हमारे बेड़े का 1,100 से अधिक वाहनों तक विस्तार, और देशभर में 22 स्थानों तक हमारी भौगोलिक पहुंच शामिल है। हमने कई उद्योग क्षेत्रों में विविधता लाते हुए अपने ग्राहक आधार को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया। ये सभी विकास हमारे संचालन निष्पादन और दीर्घकालिक विकास योजना पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाते हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स सेक्टर विभिन्न उद्योगों में बढ़ती मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं के औपचारिकरण से लाभान्वित हो रहा है। तकनीक, बेड़े और मल्टीमॉडल क्षमताओं में हमारे निवेश इन रुझानों के अनुरूप हैं।

कौन हैं बिलाल बिन साकिब जिन्हें मिली पाकिस्तान को बिटकॉइन किंग बनाने का जिम्मेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने पिछले हफ्ते एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने अपना पहला सरकारी स्ट्रैटेजिक बिटकॉइन रिजर्व बनाया है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान अब बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी को एक संपत्ति के रूप में देख रहा है। उनका मकसद है दुनिया भर से निवेश को आकर्षित करना। वे दिखाना चाहते हैं कि वे डिजिटल संपत्ति को लेकर गंभीर हैं। यह घोषणा तब हुई जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 34 साल के बिलाल बिन साकिब को अपना विशेष सहायक नियुक्त किया। बिलाल बिन साकिब पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल के सीईओ हैं। उन्हें राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है। इसका मतलब है कि सरकार उन्हें क्रिप्टो के मामलों में बहुत महत्व दे रही है।

लंदन से की है पढ़ाई- बिलाल बिन साकिब के पास लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप की डिग्री है। वे क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के सलाहकार बोर्ड में भी हैं। साल 2017 में ब्लॉकचेन में आने से पहले, उन्होंने 10 साल तक एक अंतरराष्ट्रीय रणनीति सलाहकार के रूप में काम किया। उन्होंने ज्यादातर यूके की कंपनियों को एशिया और अफ्रीका में विस्तार करने में मदद की।

फोर्ब्स 30 अंडर 30 में शामिल- साल 2023 में बिलाल को किंग चार्ल्स ने एमबीई से सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें यूके में कोविड-19 के दौरान वन मिलियन मील्स पहल के माध्यम से राहत कार्य करने के लिए मिला। उन्हें फोर्ब्स 30 अंडर 30 लिस्ट में भी शामिल किया गया है। यह लिस्ट उन युवाओं की है जिन्होंने समाज में अच्छा काम किया है।

क्या होगा बिलाल का काम- बिलाल बिन साकिब को कई जिम्मेदारियां दी गई हैं। उन्हें डिजिटल संपत्ति के लिए स्नज़स्न के नियमों के अनुसार एक ढांचा बनाना है। स्नज़स्न एक संस्था है जो यह देखती है कि कहीं पैसे का गलत इस्तेमाल तो नहीं हो रहा है। उन्हें राष्ट्रीय बिटकॉइन माइनिंग प्रोजेक्ट शुरू करने हैं। बिटकॉइन माइनिंग का मतलब है बिटकॉइन बनाना। उन्हें फाइनेंस, जमीन के रिकॉर्ड और सरकारी कामकाज में ब्लॉकचेन तकनीक को शामिल करना है।

क्या करते हैं बिलाल

बिलाल बिन साकिब तयाबा नाम की एक संस्था के को-फाउंडर हैं। यह संस्था पाकिस्तान में पानी की समस्या को हल करने के लिए काम करती है। फोर्ब्स के अनुसार, उनका फेमस प्रोडक्ट एच2ओ व्हील है। यह एक पहिया है जिससे लोग 40 लीटर तक पानी आसानी से ले जा सकते हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में महिलाओं और बच्चों को पानी लाने में बहुत मदद मिलती है। तयाबा ने पाकिस्तान में 5500 से ज्यादा पहिए बांटे हैं।

अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट, ईरान से गैस मंगाने का आरोप, अमेरिका में हो रही जांच

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के तीसरे सबसे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के शेयरों में आज शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी जा रही है। इनमें दो फीसदी तक गिरावट आई है। अमेरिका के बिजनस अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी अधिकारी गौतम अडानी की कंपनियों की जांच कर रहे हैं। आरोप है कि अडानी की कंपनियों ने ईरान से एलपीजी गैस मुंद्रा पोर्ट के जरिए भारत में मंगाई। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों को गलत बताया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने जानबूझकर किसी भी तरह से प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं किया है और न ही ईरान से एलपीजी का कारोबार किया है। शुरुआती कारोबार में अडानी ग्रुप की 10 लिस्टेड कंपनियों में से आठ में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा गिरावट ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में आई है। कंपनी का शेयर बीएसई पर 2452.70 रुपये तक गिरावट गया था। इसी तरह अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अडानी टोटल गैस, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एनर्जी सॉल्यूशन, अडानी पावर, एनडीटीवी और अंबूजा सीमेंट्स में गिरावट आई है।

यूवा ने चार नई स्टाइलिशपेंसिलें पेश कीं- रिट्ज़, ड्रीमी, क्विप और ल्यूमिनो

मुंबई, एजेंसी। नवनीत एज्युकेशन के स्टेशनरी ब्रांड यूवा ने अपनी नई रंगीन पेंसिल रेंज - रिट्ज़, ड्रीमी, क्विप और ल्यूमिनो लॉन्च की है। पर्सनैलिटी, काम की उपयोगिता के अनुसार आसान डिज़ाइन और किफायती कीमत - इन तीनों को मिलाकर तैयार की गई यह सीरीज़ छात्रों, क्रिएटर्स और स्टाइल के साथ लिखने वालों के लिए एक नया पसंदीदा विकल्प बनने जा रही है।

रोज़मर्रा के लेखन और ड्रॉइंग के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन की गई ये पेंसिलेंअल्ट्रा-डार्क 2क्लूलीड के साथ आती हैं, जो स्मूद और बोल्ड स्ट्रोक्स देती हैं। प्रीमियम मेटैलिक फिनिश वाली पैकेजिंग और आरामदायक हेक्सागोनल ग्रिप के साथ ये पेंसिलें देखने में जितनी आकर्षक हैं, हाथ में पकड़ने पर उतनी ही शानदार लगती हैं – उपयोगिता और स्टाइल का यह परफेक्ट कॉम्बिनेशन है।

रिट्ज़, ड्रीमी, क्विप और ल्यूमिनोका हर पैक 10 पेंसिलों के साथ आता है, जो रचनात्मकता और व्यक्तिगत स्टाइल को दर्शाने के लिए खासतौर पर डिज़ाइन की गई हैं।

रिट्ज़ में मैट ब्लैक फिनिश के साथ तीन अलग-अलग रंगीन पैटर्न दिए गए हैं, जो उन लोगों के लिए परफेक्ट हैं जिन्हें हल्के से बोल्ड लुक के साथ रंगों का तड़का पसंद है। इसके विपरीत, ड्रीमी एक नर्म और फैंटेसी जैसी फील लेकर आती है – सॉफ्ट पेस्टल शेड्स, मोती चमक कोटिंग और हर पेंसिल पर बना एक प्यारासा मिनी पॉ डिज़ाइन इसे और खास बनाता है।हर पैक में एक फ्री शार्पनर और इरेज़र शामिल है, जिससे यह एक कम्प्लीट स्टेशनरी सेट बन जाता है।

हेक्सागोनल शेप वालीक्विप पेंसिलों पर उपयोगकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए एक प्रेरणादायक उद्धरण उत्कीर्ण किया गया है। इस पैक में निःशुल्क शार्पनर और इरेज़र भी दिया गया है, जिससे यह लेखन और चित्रांकन के लिए एक परफेक्ट सेट बन जाता है। ट्रायंगल शेप वाली ल्युमिनो परचमकदार फ्लोरेसेंट शेड्स शामिल हैं। यह पेंसिल अतिरिक्त सुविधा के लिए इरेज़र टिप के साथ आती हैं और साथ में एक निःशुल्क शार्पनर भी दिया जाता है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फॉर्च्यूनर और लीजेन्डर नियो ड्राइव 48वी वेरिएंट लॉन्च किए

बैंगलोर, एजेंसी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फॉर्च्यूनर और लीजेंडर को नए नियो ड्राइव अवतार/ग्रेड में पेश करने की घोषणा की। 48 वोल्ट के उन्नत सिस्टम से युक्त, नए नियो ड्राइव वेरिएंट ईंधन की खपत के लिहाज से बेहतर हैं, ड्राइविंग प्रदर्शन अच्छा है और अधिक आराम प्रदान करते हैं - शहरी परिस्थितियों और ऑफ-रोड स्थितियों में अधिक परिष्कृत अनुभव प्रदान करते हैं। 2009 में बाजार में पेश किये जाने के बाद से, टोयोटा फॉर्च्यूनर ने प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में मानक स्थापित किया है। इसे अपनी बोल्ड डिज़ाइन, जबरदस्त प्रदर्शन और बेजोड़ ऑल-टेरेन क्षमता के लिए जाना जाता है। बाद के कुछ वर्षों में, इस एसयूवी ने शहरी रोमांच के शौकीनों से लेकर ऑफ-रोड उत्साहियों के बीच, एक मजबूत और निष्ठावान अनुसरण तैयार किया है। अपने स्टाइलिश और फीचर-वाले समकक्ष, लेजेंडर के साथ, फॉर्च्यूनर टोयोटा के मुख्य मूल्यों जैसे गुणवत्ता, स्थायित्व, विश्वसनीयता और ग्राहक-केंद्रित नवाचार पर निरंतर ध्यान केंद्रित करता है। फॉरच्यूनर और लीजेंडर नियो ड्राइव 48वी वेरिएंट की पेशकश पर बोलते हुए, सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के उपाध्यक्ष, श्री वरिंदर वाधवा ने कहा, जैसे-जैसे भारत में एसयूवी बाजार लगातार बढ़ रहा है, ग्राहक उन्नत सुविधाओं और अलग-अलग स्टाइल की मांग कर रहे हैं, फॉरच्यूनर और लीजेंडर दोनों अपने बोल्ड डिजाइन, शक्तिशाली प्रदर्शन और व्यापक सुविधाओं के साथ इन अपेक्षाओं को पूरा करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जो विविध उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को सहजता से पूरा करते हैं। नियो ड्राइव 48वी ग्रेड की शुरूआत हमारी यात्रा में एक और मील का पत्थर है। सेगमेंट के पहले के रूप में यह ग्राहकों की बदलती जीवनशैली के साथ तालमेल बैठाने वाली, हमेशा बेहतर कारें देने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, साथ ही कार्बन तटस्थता के प्रति टोयोटा के बहु-मार्ग दृष्टिकोण को भी मजबूत करता है। व्यावहारिक, भविष्य के लिए तैयार गतिशीलता समाधानों के माध्यम से, हम ग्राहक मूल्य को बढ़ाने और अधिक टिकाऊ कल के लिए सार्थक रूप से योगदान करने का प्रयास करते हैं। बेहतर ईंधन अर्थव्यवस्था और कम उत्सर्जन प्रदान करने के उद्देश्य से, नियो ड्राइव वेरिएंट टोयोटा के शक्तिशाली 2.8-लीटर, 4-सिलेंडर टर्बो-डीज़ल इंजन से युक्त हैं, जिन्हें अब 48-वोल्ट सिस्टम के साथ जोड़ा गया है, जिसमें बेल्ट-एकीकृत स्टार्टर जनरेटर और लिथियम-आयन बैटरी है। यह हाइब्रिड असिस्ट कम गति पर अधिक सुगम त्वरण, शांत संचालन और बेहतर दक्षता प्रदान करता है।

पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) ने एफवाय25 में राजस्व में 73 प्रतिशत और शुद्ध लाभ में 100 प्रतिशत की धमाकेदार बढ़त दर्ज की!

अहमदाबाद। पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड, , जो विद्युत ठेका और उपकरण उद्योग के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है, ने क्यू4 एफवाय25 और एफवाय25 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। आर्थिक प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, श्री पद्मराज पद्मनाभन पिल्लई, प्रबंध निदेशक, पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड ने कहा, हमें एफवाय25 में असाधारण प्रदर्शन की रिपोर्ट देते हुए गर्व महसूस हो रहा है, जो हमारी क्रियान्वयन क्षमताओं की ताकत और हमारे संचालन को मार्गदर्शित करने वाली रणनीतिक स्पष्टता को दर्शाता है। हमारी आय में साल-दर-साल प्रभावशाली 73 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि शुद्ध लाभ लगभग 100 प्रतिशत बढ़ा, जो हमारी विकास रणनीति की प्रभावशीलता और हमारे व्यापार मॉडल की मजबूती को दर्शाता है। यह तिमाही हमारे सफर में कई रणनीतिक मील के पत्थर भी चिह्नित करती है। हमने पीआइजीएल के समय पर किए गए प्रवेश के माध्यम से सोलर इपीसी सेक्टर में महत्वपूर्ण कदम रखा है, जो भारत के अक्षय ऊर्जा की तेज़ी से हो रही परिवर्तन के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड के करीब, तेल की कीमत में तेजी का असर; कच्चे तेल के दाम 3 प्रतिशत बढ़े

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को रिकॉर्ड स्तर के करीब बंद हुआ। मई महीने में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जून की शुरुआत भी अच्छी रही। एस×पी 500 में 0.4 प्रतिशत, डॉव जोंस में 35 अंकों (0.1 प्रतिशत) और नैस्डैक में 0.7 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, दिन की शुरुआत बाजार में गिरावट के साथ हुई थी क्योंकि अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी रिपोर्ट्स निराशाजनक थीं। इसके बावजूद, एनवीडिया और मेटा जैसे बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार संभल गया। तेल के दाम में 3 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी भी बाजार को प्रभावित कर रही है। ओपीईसी+ देशों ने उत्पादन बढ़ाने की घोषणा की, लेकिन रूस-यूक्रेन तनाव के कारण आपूर्ति को लेकर चिंता बनी हुई है।

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ी तनातनी

इसी बीच अमेरिका और चीन के बीच फिर से तनातनी बढ़ गई है। चीन ने अमेरिका पर एआई चिप्स की बिक्री रोकने और वीज़ा रद्द करने जैसे कदमों के जरिए व्यापार समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया।

अमेजन बाजार के साथ करें स्मार्ट ट्रैवल, जहां ट्रैवल से जुड़ी जरूरी चीजें 99 रुपए से हैं शुरू

150 रुपए तक के कैशबैक का फायदा उठाएं, संडे बाजार के दौरान 80 फीसद तक की बचत करें, 5-डे आसान फ्री रिटर्न के साथ पाएं फ्री डिलीवरी

मुंबई, एजेंसी। इस बार गर्मी, अधिक खर्च नहीं बल्कि अधिक अनुभव हासलि करने वाली है। अचानक समुद्र तट की सैर से लेकर सनराइज ट्रैक तक, ट्रैवलर्स भारी बैग छोड़कर कॉम्पैक्ट, ऑल-इन-वन गियर चुन रहे हैं। लीक-प्रूफ बोतल, इनफ्लेटेबल नेक पिलो, और स्मार्ट ट्रैवल हैक्स पर शानदान डील्स की आपको तलाश है, अमेजन बाजार पर सबकुछ उपलब्ध है। अमेजन बाजार पर बेहद किफायती रेंज देखें, जो 599 रुपए से कम में भारत का पसंदीदा चलता-फरिता शॉपिंग सेंटर है। अगर आप अपनी अगली छुट्टियों की योजना बना रहे हैं, और विभिन्न ट्रैवल प्रोडक्ट्स पर आकर्षक डील्स की तलाश कर रहे हैं, तो अब आप अपनी खोज को यहीं रोक दीजिए, क्योंकि अमेजन बाजार आपके लिए तैयार है। क्या आप खोज के लिए तैयार हैं यहां आपके लिए कुछ टॉप ट्रैवल सुझाव हैं, जो यह सिद्ध करते हैं कि स्मार्ट पैकिंग के लिए बड़े बजट की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। यात्रा के लिए कॉम्बो - ट्रैवल बोतल - 199 रुपए में 6 बोतल पाएं, भारी-भरकम टॉयलेट्री बैग्स को गुडबाय कहें, ये स्लीक और लीक-प्रूफ मिनी स्नैप टाइट बंद होते हैं और किसी भी कैरी-ऑन में आसानी से फिट हो जाते हैं। मजबूत प्लास्टिक से बने, ये आपके लोशन, सीरम और शैम्पू को सुरक्षित और फैलने से रोकेते हैं। ये उन लोगों के लिए उपयुक्त हैं जो हमेशा यात्रा करने के लिए तैयार हैं और भारी लगैज को पैकिंग करना पसंद नहीं करते हैं। टूथब्रश और सोप केस सेट : टूथब्रश और सोप केस सेट- 199 रुपए में खरीदें, इसके बाद आपके गीले ब्रश या साबुन के झाग से गंदे बैग से छुटकारा मिलेगा, यह मजबूत डुअल-कम्पार्टमेंट केस नमी और गंदगी को दूर रखता है। कठोर

एचडीएफसी बैंक मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मेगा 'ऑटो लोन मेला' करेगा आयोजित

भोपाल। भारत का अग्रणी निजी क्षेत्र का बैंक एचडीएफसी बैंक 3 और 4 जून, 2025 को दो दिवसीय मेगा 'ऑटो लोन मेला' आयोजित करने जा रहा है। इस दो दिवसीय लोन मेले में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की 450 से अधिक शाखाएँ भाग लेंगी। क्षेत्र के प्रमुख चार पहिया वाहन डीलरशिप नवीनतम पेशकशों का प्रदर्शन करेंगे। लोन मेले में आने वाले ग्राहक वाहनों को देख और टेस्ट ड्राइव कर सकते हैं, जबकि पात्र ग्राहक आसान पुनर्भुगतान विकल्पों के साथ मौके पर ही ऋण स्वीकृत करवा सकते हैं। ऋण मेला खरीदारों को वास्तविक कार डीलरों से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करेगा, जबकि एचडीएफसी बैंक एक्सप्रेस कार ऋण के माध्यम से सुचारू ऋण वितरण सुनिश्चित करेगा। यह सुविधा मौजूदा और भावी एचडीएफसी बैंक ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्ध है। 'एक्सप्रेस कार लोन' प्लेटफॉर्म एक पूर्ण डिजिटल, पेपरलेस और संपर्क-मुक्त प्रक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे डीलरों को ऑटो लोन का वितरण केवल 30 मिनट के भीतर हो जाता है।

नाईसस फाइनेंस ने एफवाय25 में कुल आय में 56 प्रतिशत वृद्धि के साथ शानदार परिणाम दिए

मुंबई, एजेंसी। नाईसस फाइनेंस सर्विसेज कंपनी लिमिटेड जो शहरी बुनियादी ढांचे और संरचित वित्त में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रमुख निवेश प्रबंधन कंपनी है, ने एच2 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणाम प्रकाशित किए हैं। नाईसस फाइनेंस के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री अमित गोयनका ने कहा- एफवाय25 हमारे लिए रणनीतिक गति और प्लेटफॉर्म विकास का वर्ष रहा। नाईसस फाइनेंस ने रियल एस्टेट और शहरी अवसंरचना में विशेषज्ञता के साथ एक क्षेत्रीय रूप से विविध संपत्ति प्रबंधक बनने के अपने दृष्टिकोण को और मजबूत किया। जीसीसी क्षेत्र में डीआइएफसी आधारित उपस्थिति स्थापित कर तथा दुबई के जेवीसी और अल फुर्जान जैसे उच्च संभावनाओं वाले आवासीय क्षेत्रों में अधिग्रहण करके हमने सीमा-पार निवेश और दीर्घकालिक स्थायित्व की दिशा में ठोस कदम उठाए। साथ ही, मॉरिशस में एक निवेश वाहन स्थापित कर वैश्विक शहरी अवसंरचना अवसरों के लिए पूंजी संग्रहण की दिशा में भी हमने कदम बढ़ाए। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर हमारे आधार के सशक्त होने से, हम विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम हैं। हमारा 955 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 1,572 करोड़ तक पहुंच गया है। हमारा एकीकृत बिजनेस मॉडल, जो फंड मैनेजमेंट और ट्रांजैक्शन एडवाइजरी पर आधारित है, बाजार चक्रों में भी निरंतर मूल्य निर्माण कर रहा है। इस वर्ष हमने चार हाई-यील्ड एग्जिट्स को सफलतापूर्वक निष्पादित किया, जिनसे 18 प्रतिशत-21 प्रतिशत के बीच आइआरआर प्राप्त हुआ। इन उपलब्धियों के पीछे एक मजबूत गवर्नेंस ढांचा, कुशल टीम और स्केलेबल प्लेटफॉर्म की भूमिका रही है। सलाहकार आय में बढ़ती हिस्सेदारी और वैश्विक पूंजी भागीदारों की बढ़ती भागीदारी हमारे रणनीतिक दृष्टिकोण की पुष्टि करती है।

ईवी में विदेशी निवेश को बढ़ावा

सरकार ने घटाया आयात कर, 10000 करोड़ के वैश्विक राजस्व वाली कंपनियां होंगी पात्र

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने घरेलू ईवी उत्पादन में निवेश करने वाले विदेशी वाहन निर्माताओं के लिए आयात कर में भारी कमी करने का फैसला लिया है। ईवी की नई नीति को सोमवार को अधिसूचित कर दिया। योजना के तहत योग्यता और लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक के पास ऑटोमोटिव विनिर्माण से न्यूनतम 10,000 करोड़ रुपये का वैश्विक समूह राजस्व होना आवश्यक है। नई नीति के तहत आवेदन दाखिल करते समय वार्षिक वित्तीय विवरणों के आधार पर किसी कंपनी या उसके समूह की कंपनियों का अचल संपत्तियों में वैश्विक निवेश कम से कम 3,000 करोड़ रुपये होना चाहिए। नए संयंत्र, मशीनरी, उपकरण और इंजीनियरिंग अनुसंधान और

विकास पर किया गया खर्च इस योजना के अंतर्गत निवेश से संबंधित लाभ लेने के लिए पात्र होगा। जमीन पर किए गए खर्च पर विचार नहीं होगा। हालांकि, मुख्य संयंत्र और उपयोगिताओं की नई इमारतों को निवेश का हिस्सा माना जाएगा, बशर्ते यह प्रतिबद्ध निवेश के 10 फीसदी से अधिक न हो।

आवेदकों को तीन साल के भीतर हासिल करना होगा- योजना के तहत आवेदकों के लिए अनुमोदन पत्र जारी करने की तिथि से तीन वर्षों के भीतर न्यूनतम 25 फीसदी घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) प्राप्त करना होगा। पांच वर्षों के भीतर न्यूनतम 50 फीसदी डीवीए प्राप्त करना होगा। चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया गया खर्च प्रतिबद्ध निवेश का 5 फीसदी तक माना जाएगा।

कंपनियों को भारतीय बैंकों की गारंटी से मिलेगा समर्थन- विनिर्माण संयंत्र लगाने, डीवीए की प्राप्ति और योजना के तहत निर्धारित शर्तों के अनुपालन के लिए आवेदक की प्रतिबद्धता को भारत में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से गारंटी द्वारा समर्थित किया जाएगा।

यह छोड़े जाने वाले कुल शुल्क के बराबर या 4,150 करोड़ रुपये, जो भी अधिक हो, के बराबर होगा। आवेदन आमंत्रित करने वाले नोटिस के जरिये आवेदन पाने की अवधि 120 दिन (या अधिक) की होगी। भारी उद्योग मंत्रालय को 15 मार्च, 2026 तक आवश्यकतानुसार आवेदन विंडो खोलने का अधिकार होगा।

बकार्डी की पहली मेड-इन-इंडिया व्हिस्की 'लीगेसी' को वर्ल्ड व्हिस्कीज़ अवार्ड्स 2025 में गोल्ड अवॉर्ड समेत अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रीमियम व्हिस्की सेगमेंट के लिए यह एक ऐतिहासिक पल है। बकार्डी की पहली मेड-इन-इंडिया प्रीमियम व्हिस्की 'लीगेसी' को प्रतिष्ठित वर्ल्ड व्हिस्कीज़ अवार्ड्स 2025 में ब्लेंडेड व्हिस्की कैटेगरी में गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि के साथ न केवल भारत की शराब निर्माण क्षमता को वैश्विक मान्यता मिली है, बल्कि देश की प्रीमियम व्हिस्की को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान हासिल हुई है। शानदार, आधुनिक और बारीकी से तैयार की गई लीगेसी सिर्फ एक नई व्हिस्की नहीं है, बल्कि यह भारत की युवा सोच, आत्मविश्वास और वैश्विक दृष्टिकोण की प्रतीक बन चुकी है। लीगेसी, जिसे भारत में तैयार किया गया है, साहसिक सोच और उम्दा गुणवत्ता का बेहतरीन मेल है। इसे भारतीय और स्कॉटिश माल्ट्स को भारतीय अनाजों के साथ मिलाकर तैयार किया गया है। इसका स्वाद खासा समृद्ध, संतुलित और स्मूद है, जो हर घूंट में एक प्रीमियम अनुभव देता है – यही वजह है कि यह व्हिस्की दुनियाभर के व्हिस्की प्रेमियों को लुभा रही है। इन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों ने लीगेसी को न केवल वैश्विक मंच पर स्थापित किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि प्रीमियम व्हिस्की के क्षेत्र में बकार्डी की पकड़ लगातार मजबूत होती जा रही है। लॉन्च के तीन साल से भी कम समय में लीगेसी ने भारत में प्रीमियम व्हिस्की के क्षेत्र में अपनी खास जगह बना ली है। इसका स्मूद और संतुलित स्वाद इसे पूरे देश में तेजी से लोकप्रिय बना रहा है। लीगेसी सिर्फ एक व्हिस्की नहीं, बल्कि भारतीय कारीगरी और परंपरा का जश्न है – जो पुरानी विरासत को आधुनिक सोच और वैश्विक नजरिये से जोड़ती है। वर्ल्ड व्हिस्कीज़ अवार्ड्स दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित और कठोर स्पर्धाओं में से एक मानी जाती है। हर साल इस प्रतियोगिता में स्पिरिट्स इंडस्ट्री के दिग्गज विशेषज्ञ, समीक्षक और टेस्टिंग एक्सपर्ट्स भाग लेते हैं, जो विभिन्न श्रेणियों की व्हिस्की को उनकी गुणवत्ता, खुशबू, स्वाद, जटिलता और फिनिश जैसे मानकों पर 100-पॉइंट स्केल के आधार पर परखते हैं।

14 जून से होगा 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट

सेन डियागो। 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट इसी माह 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने इसके लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। इसमें कुल इनामी राशि 1 बिलियन डॉलर 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी। इसमें विजेता टीम को 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का निर्धारित ।अवसर मिलेगा। इसके अलावा वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं। वहीं इसमें शामिल टीमों को 525 मिलियन डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा यूईएफए क्लब 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि हासिल करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा। इसके तहत शीर्ष स्तर के क्लब चेल्सी, मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख बड़ी इनामी राशि हासिल करने की दावेदार रहेंगी। कोंमेबोल (दक्षिण अमेरिकी) क्लब को 15.21 मिलियन डॉलर के करीब रकम मिलेगी।

पांच जुलाई को होगी नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता, 12 सितारे टूर्नामेंट में होंगे शामिल

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण पिछले महीने स्थगित की गई नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब पांच जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने मंगलवार को यह घोषणा की। श्री

कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे।
भारत में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। पहले यह प्रतियोगिता 24 मई को आयोजित की जानी थी। इस प्रतियोगिता का आयोजन ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा द्वारा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है और इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से मंजूरी मिली हुई है। टूर्नामेंट में 12 खिलाड़ी होंगे शामिल, देखें लिस्ट टूर्नामेंट में विदेश के सात सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी शामिल होंगे और नीरज चोपड़ा समेत पांच भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। चोपड़ा के अलावा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं।

पैरों से बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग, विवेक कुमार अटल ने हाथों के बगैर ही मैदान में किया कमाल

जयपुर। राजधानी जयपुर के शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोविंदपुरा बासड़ी से एक ऐसा नाम सामने आया है, जिसने यह साबित कर दिया कि हौसले अगर बुलंद हों तो कोई भी कमी मंजिल की राह में बाधा नहीं बन सकती। विवेक कुमार अटल एक ऐसा दिव्यांग युवक, जिसने दोनों हाथों के अभाव में भी हार नहीं मानी, बल्कि अपने पैरों को ही अपने सपनों का जरिया बना लिया। विवेक ने न सिर्फ सामान्य स्कूलिंग की, बल्कि अपने पैरों से लिखकर 10वीं कक्षा में 74.33त्न अंक हासिल किए। यह आंकड़ा उनके आत्मबल, अनुशासन और कठिन परिश्रम का गवाह है। लेकिन विवेक की असली पहचान क्रिकेट के मैदान में सामने आती है, जहां वे पैरों से बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग करते हैं। उन्हें खेलते देखना सिर्फ हैरत की बात नहीं, बल्कि भावनाओं को झकझोर देने वाला अनुभव है। उनकी तकनीक, संतुलन और जज्बा हर किसी को दंग कर देता है।

ट्रॉफी जीतने वाली आठवीं टीम बनी, फाइनल में पंजाब को हराया

कोहली की आरसीबी पहली बार बनी चैंपियन

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत लिया है। 18 सत्र का इंतजार खत्म हो चुका है। आखिरकार विराट कोहली भी चैंपियन बन गए हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में आरसीबी ने पंजाब को छह रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 190 रन बनाए थे। जवाब में पंजाब की टीम सात विकेट पर 184 रन ही बना सकी। आरसीबी आईपीएल चैंपियन बनने वाली आठवीं टीम है। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, डेक्कन चार्जर्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम चैंपियन बन चुकी हैं।

बेंगलुरु की पारी

बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही थी। फिल सॉल्ट नौ गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 16 रन बनाकर आउट हुए थे। उन्हें जेमीसन ने आउट किया था। इसके बाद विराट कोहली ने मयंक अग्रवाल के साथ पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन मयंक बड़े शॉट के चक्कर में आउट हो गए। वह 18 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रजत पाटीदार 16 गेंद में 26 रन बनाकर पवेलियन चलते बने। विराट ने लिविंगस्टोन के साथ 36 रन की साझेदारी निभाई। विराट 35 गेंद पर तीन चौके की मदद से 43 रन बनाकर अजमतुल्लाह का शिकार बने। जितेश शर्मा ने आतिशी पारी खेली, लेकिन बड़े शॉट के चक्कर में वह विजयकुमार की गेंद पर बोल्ड हुए। जितेश ने 10 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 24 रन की पारी खेली। आखिरी ओवर में अर्शदीप ने

तीन विकेट झटकाए। उन्होंने 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड (17 रन), चौथी गेंद पर करुणाल पांड्या (4 रन) और भुवनेश्वर कुमार (1 रन) के विकेट लिए। पंजाब की ओर से अर्शदीप और जेमीसन ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, अजमतुल्ला ओमरजई, विजयकुमार विषाक और युजवेंद्र चहल को एक-एक विकेट मिला।

पंजाब की पारी

191 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने 43 रन की साझेदारी निभाई। प्रियांश 24 रन बनाकर हेजलवुड की गेंद पर आउट हुए। फिर प्रभसिमरन सिंह 22 गेंद में 26 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस अय्यर का बल्ला फाइनल में नहीं चला। वह एक रन बनाकर आउट हुए। जोश इंग्लिस ने अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन 23 गेंद में एक चौका और चार छक्के की मदद से 39 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

18 साल बाद सपना हुआ सच, ई साला कप नामदे

आरसीबी की जीत पर पूर्व मालिक विजय माल्या की जाहिर की खुशी

आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की पहली जीत के बाद टीम के पूर्व मालिक विजय माल्या ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि आरसीबी आखिरकार 18 साल बाद आईपीएल चैंपियन बन गई है।
विजय माल्या ने अपने पोस्ट में कहा कि पूरी आरसीबी टीम ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन किया। एक संतुलित टीम ने प्ले बोल्ड की भावना के साथ खेला और कोचिंग व सपोर्ट स्टाफ ने भी बेहतरीन योगदान दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी को ढेरों बधाइयां!
बता दें कि 18 साल बाद आईपीएल का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत लिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में आरसीबी ने पंजाब को छह रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 190 रन बनाए थे। जवाब में पंजाब की टीम सात विकेट पर 184 रन ही बना सकी।

कैसी रही बेंगलुरु की बल्लेबाजी

बात अगर इस मैच में बेंगलुरु की बल्लेबाजी की करें तो बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही थी। फिल सॉल्ट नौ गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 16 रन बनाकर आउट हुए थे। उन्हें जेमीसन ने आउट किया था। इसके बाद विराट कोहली ने मयंक अग्रवाल के साथ पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन मयंक बड़े शॉट के चक्कर में आउट हो गए। वह 18 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए।

विराट ने दिखाया संयम, लेकिन...

इसके बाद रजत पाटीदार 16 गेंद में 26 रन बनाकर पवेलियन चलते बने। विराट ने लिविंगस्टोन के साथ 36 रन की साझेदारी निभाई। विराट 35 गेंद पर तीन चौके की मदद से 43 रन बनाकर अजमतुल्लाह का शिकार बने। जितेश शर्मा ने आतिशी पारी खेली, लेकिन बड़े शॉट के चक्कर में वह विजयकुमार की गेंद पर बोल्ड हुए। जितेश ने 10 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 24 रन की पारी खेली।

सचिन,धोनी की तरह विराट की जर्सी भी होगी रिटायर!

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को सम्मानित करने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी जर्सी नंबर 18 को रिटायर कर सकती है। इससे भारतीय टेस्ट टीम में आने वाले समय में किसी भी खिलाड़ी को ये जर्सी नंबर नहीं मिलेगा। जर्सी नंबर 18 नंबर कीपिछले 14 साल से विराट के पास रही है।

कोहली ने अभी एकदिवसीय से संन्यास नहीं लिया है ऐसे में वह फिलहाल इस जर्सी में खेलते हुए देखेंगे पर यह माना जा रहा है कि जिस प्रकार सचिन तेंदुलकर (जर्सी नंबर 10) और महेंद्र सिंह धोनी (जर्सी नंबर 7) की जर्सी किसी अन्य खिलाड़ी को नहीं मिली। उसी प्रकार किसी भी नये खिलाड़ी को 18 नंबर की जर्सी नहीं मिलेगी। वहीं युवा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के इंडिया ए की ओर से 18 नंबर की जर्सी पहनने को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सीनियर अधिकारी का कहना है कि मुकेश कुमार ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले 'टेस्ट मैच में 18 नंबर की जर्सी पहनी जरुर थी पर इससे फर्क नहीं पड़ता क्योंकि भारत ए टीम में कोई निश्चित नंबर के साथ ही जर्सी पर नाम नहीं होता है।कोई भी खिलाड़ी कोई भी नंबर चुन सकता है।

जर्सी नंबर केवल अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ही मान्य है। भारतीय टेस्ट टीम में दो नए सदस्य बी साई सुदर्शन और अर्शदीप सिंह शामिल हुए हैं लेकिन उन्हें जो जर्सी नंबर दिए गए हैं, वे अलग हैं। भारतीय टीम में किसी विशेष जर्सी नंबर को आधिकारिक रूप से 'रिटायर करने प्रथा नहीं है लेकिन कुछ मशहूर नंबर बाद में टीम में शामिल हुए खिलाड़ियों ने नहीं पहने हैं।

पीठ की सर्जरी के लिए न्यूजीलैंड जाएंगे मयंक यादव

मुम्बई। पिछले काफी समय से पीठ की समस्या से जूझ रहे युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव अब सर्जरी के लिए न्यूजीलैंड जाएंगे। होगी। मयंक उसी डॉक्टर से अपनी सर्जरी कराएंगे जिसने जसप्रीत बुमराह की सर्जरी की थी। यह सर्जरी न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में स्थित प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक स्पाइन सर्जन डॉ. रोवन शाउटेन करेंगे। डॉ. शाउटेन ने ही साल 2023 में जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा की सर्जरी की थी, साथ ही ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों जेसन बेहरेनडॉर्फ और जेम्स पैटिनसन का भी इलाज किया था। पिछले साल, शाउटेन और ग्राहम इंगलिस ने स्ट्रेस फ्रैक्चर से परेशान ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की पीठ की सर्जरी भी की थी। माना जा रहा है कि मयंक बार-बार हो रही पीठ की समस्या को पूरी तरह से ठीक करने अब सर्जरी कराना चाहते हैं। ऐसे में बुमराह ने जिस प्रक्रिया से गुजरे थे, वही प्रक्रिया मयंक के लिए भी अपनाई जाएगी। माना जा रहा है कि यह कदम मयंक के लिए फायदेमंद है, क्योंकि यह उनकी तेज गेंदबाज के रूप में लंबी उम्र को बढ़ाएगा।

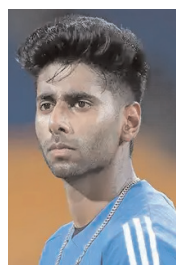

30 सितंबर से खेला जाएगा महिला टी20 विश्वकप: आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि महिला टी20 विश्व कप 30 सितंबर से दो नवंबर के बीच भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। आईसीसी के अनुसार इसमें कोलंबो को अतिरिक्त तटस्थ स्थल के रूप में जोड़ा गया है। भारत पहले अकेले ही इसकी मेजबानी करने जा रहा था पर अब इसके मैच बेंगलूरू, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम के अलावा कोलंबो में भी खेले जाएंगे। कोलंबो को इसलिए शामिल किया गया है ताकि यहां पाकिस्तान के मुकाबले हो सकें। इस साल की शुरूआत में ही चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान आईसीसी ने हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दी गई थी। जिसके तहत भारतीय टीम ने अपने मैच दुबई में खेले थे जबकि अन्य टीमों के मैच पाकिस्तान में हुए थे। आईसीसी ने कहा कि यह टूर्नामेंट बेंगलुरू में 30 सितंबर से शुरू होगा। गौरतलब है कि भारत में 12 साल बाद महिला क्रिकेट विश्व कप कराया जा रहा है। पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में खेला जाएगा जबकि दूसरा 30 अक्टूबर को बेंगलुरू में होगा। वहीं फाइनल दो नवंबर को बेंगलुरू या कोलंबो में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में मेजबान भारतीय टीम के अलावा गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें इसमें भाग लेंगी।

आईएसएसएफ निशानेबाज विश्व कप आठ जून से

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले अगले माह आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण में भारत की ओर से पदक के प्रबल दावेदार रहेंगे। भाकर और कुसाले को 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने भाकर को दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में शामिल किया है। वहीं पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह को भी जगह मिली है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार किसी स्पर्धा में खेलते दिखेंगे। भारतीय राइफल और

पिस्टल टीम ने हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप में बेहत प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी। उस इस टीम के कुल 13 सदस्यों को म्यूनिख जाने वाली इस विश्वकप टीम में भी शामिल किया गया है। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है। म्यूनिख के लिए चयनित टीम में तीन नए खिलाड़ी भी रहेंगे।

राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण टीम में जगह मिली है। वहीं पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नये निशानेबाजों को शामिल किया गया है। हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत भी इसमें शामिल हैं।

सिंधू और सात्विक-चिराग की जोड़ी दूसरे दौर में

सेन और प्रणय इंडोनेशिया ओपन से बाहर

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने मंगलवार को यहां इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्रीक्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। सिंधू ने महिला एकल में अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 19 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 22-20, 21-23, 21-15 से हराया। अब राउंड 16 में उनका सामना थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्णपावी चोचुवोंग से होगा।

सिंधू ने मैच के बाद कहा, %पहले दौर में जीत हासिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे निश्चित तौर पर मेरा हौसला बढ़ेगा। मैं पहले

दौर में हारती रही हूं, इसलिए इस तरह के मैच जीतना मेरे लिए बहुत उपयोगी और महत्वपूर्ण है।% सेन ने एक घंटे और पांच मिनट तक चले पुरुष एकल मुकाबले में दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी चीन के शि यू क्यू से 11-21 22-20 15-21 से हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की। भारत के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पीठ की चोट से उबरकर वापसी की। चोट के कारण वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन में मैच के बीच से हट गए थे लेकिन यहां उन्होंने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया।

पहला गेम आसानी से गंवाने और दूसरे गेम में 11-17 से पीछे होने के बाद सेन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने एक मैच प्वाइंट बचाया और 22-20 से गेम जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम तक खींच दिया। लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। पुरुष एकल में एचएस प्रणय भी इस 1,450,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 17-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत के खिलाफ खासे सफल रहे हैं स्मिथ

मुम्बई। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ भारतीय गेंदबाजों के लिए हमेशा ही परेशानी साबित हुए हैं। स्मिथ का रिकार्ड भारतीय टीम के खिलाफ काफी अच्छा रहा है। 2015 एकदिवसीय विश्वकप की बात करें या 2023 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल सहित कई मैचों में स्मिथ के कारण ही भारतीय टीम जीत हासिल नहीं कर पायी। डब्लयूटीसी फाइनल 2023 में स्मिथ ने 121 रन बनाए थे। इस मैच में उनकी और ट्रेविस हेड के बीच हुई 285 रनों की साझेदारी से ये मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया था। भारतीय टीम के खिलाफ स्मिथ ने 24 टेस्ट मैचों में 58.90 के औसत से 2356 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 11 शतक और 5 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में भी स्मिथ का औसत भारत के खिलाफ 50 से अधिक का रहा है। भारतीय टीम के खिलाफ 30 एकदिवसीय मैचों में स्मिथ ने 53.19 की औसत से 1383 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्मिथ ने भारतीय टीम के खिलाफ 11 मैचों में 229 रन बनाये हैं। स्मिथ ने अपने करियर की शुरुआत एक लेग स्पिनर के रूप में की थी। स्मिथ ने जुलाई 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर अपना टेस्ट डेब्यू करते हुए आठवें नंबार पर बल्लेबाजी की थी पर पांच साल बाद ही वह ऑस्ट्रेलिया के कप्तान बन गये। इसके अलावा वह दुनिया के नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज भी बन गये। उनका करियर विवादों में भी रहा है।

एक हजार जनरल टिकट के लिए एक खिड़की, छूट रही यात्रियों की ट्रेन

अतिरिक्त खिड़की की मांग सालों पुरानी

भोपाल, नप्र। पश्चिम मध्य रेल भोपाल द्वारा हाल में ही जारी बयान में संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन को राजधानी भोपाल का तीसरा सबसे बड़ा एवं सर्वसुविधायुक्त स्टेशन बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी तो विस्तार से दी गई लेकिन वर्तमान यात्रियों को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उनके निदान की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है।

एक हजार यात्री, एक विंडो: राजधानी भोपाल से स्टार्ट होकर जो ट्रेन रतलाम, उज्जैन, दाहोद के अलावा जयपुर व अजमेर आदि शहरों को जाती हैं, उनमें सवार होने वाले यात्रियों के लिए संत हिरदाराम नगर सुलभ स्टेशन है वह इसलिए क्योंकि न्यू मार्केट से

लेकर नए भोपाल, कोलार, कोहेफिज़ा, ईदगाह हिल्स लालघाटी से लेकर सीहोर के अनेक यात्री संत हिरदाराम नगर आकर इन ट्रेनों में सवार होते हैं, जिनके पर रिजर्वेशन टिकट है, उनके लिए तो काई परेशानी नहीं लेकिन जो जनरल टिकट लेकर यात्रा करते हैं, उन्हें मात्र एक विंडों के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि प्रतिदिन 1000 से अधिक जनरल टिकट जारी हो रहे हैं।

एक कर्मचारी पर अनेक दायित्व

इधर इस प्रतिनिधि ने स्टेशन पर जाकर पाया कि स्टेशन पर जनरल टिकट के लिए जो एक विंडो है, वहां तैनात कर्मचारी का काम केवल टिकट वितरण ही नहीं है बल्कि, उनके समक्ष माइक भी रखा था, जो ट्रेनों के कोच गाइडेंस का काम भी कर रहा था जब ट्रेन की लाइन हो जाती है, उसी समय विंडो पर जनरल टिकट लेने वालों की कतार लग जाती है, ऐसे में कर्मचारी को कभी कभी टिकट जारी करने का काम रोक कर ट्रेन कोच गाइडेंस का अनाउंसमेंट भी करना होता है, ऐसे में विंडो के बाहर खड़े यात्री चिल्लाने लगते हैं कि टिकट जल्दी हो।

दो विंडो जरूरी: एक तरफतो 25 करोड़ की लाग से स्टेशन का कायाकल्प हो रहा है, जिसका भूमि पूजन आन लाइन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 6 अगस्त 2023 को दिल्ली से किया था और संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल एवं विधायक रामेश्वर शर्मा मौजूद थे, दूसरी तरह भोपाल रेल मण्डल यहां के स्टेशन पर नाकाफी एक विंडो की जगह दूसरी खिड़की से भी जनरल टिकट जारी करने की व्यवस्था नहीं कर रहा है।

दो मिनिट रूकती है, छूट रही ट्रेनें: स्टेशन पर एक ही विंडो होने के कारण कभी कभी तो इतनी लाइन लगती है कि अनेक यात्रियों की या तो ट्रेन छूट जाती है, या वे दौड़कर बिना टिकट के ही यात्रा करने को मजबूर हो जाते हैं। राजधानी से चालू होने के अलावा लम्बी दूरी की जितनी भी ट्रेनें हैं किसी का भी 2 मिनिट से अधिक ठहराव नहीं है, ऐसे में अगर यात्री जनरल टिकट के लिए लाइन में लगा रहे तो या तो उसकी ट्रेन छूट जाती है, या दूसरा विकल्प बिना टिकट होता है।

छोटे शहरों के लिए फ्लाइट हेतु अपेक्षित संख्या में नहीं मिल रहे यात्री

सतना नहीं हुआ एक भी पेंसेजर रवाना, केंसिल की उड़ान

भोपाल, नप्र। जब जबलपुर, प्रयागराज एवं अमदाबाद जैसे शहरों के लिए ही फ्लाइट मुश्किल से साल में एक दो बार ही फुल्ल जाती है शेष दिन आधे से भी खाली रहती है, तब भला ऐसे में दतिया या सतना जैसे छोटे शहरों के लिए यात्री कैसे अपेक्षित संख्या में मिल सकते हैं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 मई शनिवार को भोपाल में आयोजित विशाल महिला सम्मेलन के दौरान वर्चुअल सिस्टम से सतना एवं दतिया एयरपोर्ट का लोकार्पण किया लेकिन जब इन शहरों के लिए ओला बिग ने छोटा प्लेन चलाना चाहा, तक कोई रिस्पांस नहीं मिला। सोमवार को फ्लाय ओला का 19 सीटर प्लेन सतना रवाना होने के लिए समय से पहले ही राजा भोज विमान तल पर तैयार खड़ा था, लेकिन काफी प्रतीक्षा के बाद भी इसमें सवार होने के लिए कोई यात्री एयरपोर्ट नहीं पहुंचा।

नहीं हो सका टेकआफ

फ्लाय ओला के इस 19 सीटर प्लेन को सुबह 10 बजे उड़ान भरनी थी और 11.40 बजे सतना पहुंचना था। इसके लिए किराया 3500 रूपए निर्धारित किया गया था। यह छोटा सा विमान सतना रवाना होने के एक घंटे पहले ही एयरपोर्ट पर आ गया था लेकिन निर्धारित समय 10 बजने के बाद भी जक इसमें सवार होने के लिए कोई यात्रा नहीं पहुंचा तब इसे रद्द करना पड़ा। शेडयूल के अनुसार सोमवार को सतना के बाद सुबह 11.55 बजे उड़ान भरकर दोपहर 01 बजे सिंगरोली पहुंचना था जबकि सिंगरोली से 01.15 बजे टेकआफ करते हुए दोपहर 2.25 बजे वापस सतना लौटना था। सतना से 2.50 बजे उड़ान भरकर 4.50 बजे भोपाल लैण्ड करना था। यहां बता दें कि फ्लाय ओला की यह फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन सोमवार, मंगलवार एवं गुरूवार संचालित करने का निर्णय लिया गया है। लेकिन पहले दिन ही कम्पनी को निराशा हाथ लगी। अब आगे क्या निर्णय लिया जाए, यह परिस्थितियों को देखते हुए तय किया जाएगा। वैसे भोपाल से सतना के लिए सोमवार को इस उड़ान को रद्द किया गया जबकि शेष शहरों के लिए उसने जरूर उड़ान भरी।

खजुराहो व दतिया पर भी संशय

भोपाल से सतना के लिए मिली निराशा के बाद 31 मार्च को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दतिया एयरपोर्ट का भी भोपाल से वर्चुअल लोकार्पण करने के बाद वहां के लिए भी फ्लाय बिग अथवा फ्लाय ओला ने उड़ान भरने का निर्णय लिया था जिसके जारी शेड्यूल के अनुसार भोपाल से दोपहर एक बजे उड़ान भरेगी जो दोपहर 2.10 बजे दतिया लैण्ड करेगी। दतिया से 2.25 बजे टेकआफ कर 3.15 बजे खजुराहो लैण्ड करेगी जबकि खजुराहो से दोपहर 3.40 बजे उड़कर 4.20 बजे दतिया पहुंचेगी। दतिया से शाम 4.45 बजे उड़ान भरेगी और शाम 5.55 बजे भोपाल लैण्ड करेगी। जहां भोपाल से दतिया के बीच का फासला 1.10 घंटे में तय करेगी वहीं खजुराहो केवल 40 मिनिट में पहुंच जाएगी। यहां बता दें कि फ्लाय बिग और फ्लाय ओला का यह 19 सीटर प्लेन होगा। खजुराहो एवं दतिया के लिए सप्ताह में चार दिन सोमवार, मंगलवार, बुधवार एवं गुरूवार को सेवाएं रहेंगी।

जबलपुर की हालत भी पतली

इधर एक अप्रैल से भोपाल से जबलपुर फ्लाइट प्रारंभ करने वाली इंडिगो को भी काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इस रूट पर कम्पनी ने 69 एवं 72 सीटर वाला एयरक ाफ्ट संचालित किया है लेकिन इसे भी पर्याप्त संख्या में यात्री नहीं मिल पा रहे हैं। हालत इतनी खराब है कि कभी कभी 8 और 10 यात्रियों से ही संतोष करना पड़ रहा है, ऐसे में अगर भोपाल जबलपुर फ्लाइट बंद हो जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

इनका कहना है

लोगों में धीरे धीरे जागरूकता आएगी। सोमवार को पहला दिन था इस कारण अधिकांश को इसकी जानकारी भी नहीं थी। आने वाले दिनों में यात्री मिलने की संभावना है।

रामजी अवस्थी, एयरपोर्ट डायरेक्टर

सेवा भावना से रक्तदान शिविर में 33 यूनिट ब्लड हुआ डोनेट

सालभर तक हासिल कर सकेंगे दान देने वाले रक्त

भोपाल, नप्र। हालांकि संत हिरदाराम नगर स्थित सरकारी सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाएं आम जनता की मंशा के अनुरूप तो नहीं हैं, लेकिन कोई व्यक्ति रक्त के अभाव में दम न तोड़ दे, इसके लिए रक्तदान शिविर लगाकर अस्पताल प्रबंधन ने सराहनीय कार्य किया। संत हिरदाराम नगर की सिविल अस्पताल का दर्जा मिले तीन दशक से अधिक समय हो चुका है लेकिन रक्तदान जैसे शिविर कम ही लगते हैं लगभग एक दशक बाद इस तरह का शिविर सोमवार को लगाया गया जिसमें काफी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। जिन लोगों ने रक्तदान किया उन्हें बाकायदा कार्ड बनाकर दिए गए, ताकि जरूरत पड़ने पर एक साल के भीतर वे हमीदिया अस्पताल के ब्लड बैंक से आवश्यकता पड़ने पर रक्त प्राप्त कर सकते हैं। अस्पताल अधीक्षक डा.जेके जैन ने बताया कि रक्तदान शिविर रोगी कल्याण समिति के सदस्या बसंत चेलानी एवं हरीश मूलानी के सहयोग से आयोजित किया गया। इसमें रक्तदान करने वालों को रक्तदान करने से जो फायदे हैं उसकी जानकारी भी प्रदान की गई। संकट क समय रक्त की सख्त जरूरत होती है, जबकि रक्त के अभाव में अनेक मरीजों को जान तक गंवानी पड़ जाती है लेकिन इस तरह के शिविरों में किस किस ग्रुप का कितना रक्त दान हुआ और उसका सद्पयोग किस तरह से किया जा सकता है, उसकी जानकारी भी मौजूद लोगों को दी गई। इस दौरान 32 यूनिट ब्लड जमा किया गया। शिविर में डा. आशीष पटेल, डा. विटरेन्द्र माहोर सहित अनेक ने सेवाएं दी।

सरल संयोजन पोर्टल से घर बैठे मिल रहे नवीन बिजली कनेक्शन

भोपाल। अब आपके परिसर में बिजली का नवीन कनेक्शन लेना हुआ और भी आसान और सुविधाजनक। नवीन बिजली कनेक्शन के लिए अब आपको किसी भी कार्यालय जाने और परेशान होने की जरूरत नहीं है। अब आपको नवीन बिजली कनेक्शन के लिए केवल ऑनलाइन माध्यम से एक आवेदन करना है और ऑनलाइन ही जरूरी दस्तावेज अपलोड कर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते ही तय समय-सीमा में आपको बिजली कंपनी द्वारा कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जाएगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से घर बैठे ही उपभोक्ताओं को नवीन बिजली कनेक्शन बहुत ही कम समय में उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इस सुविधा से एक ओर जहाँ उपभोक्ताओं को आसानी से बिजली कनेक्शन मिल रहे हैं वहीं दूसरी ओर इस ऑनलाइन प्रक्रिया से उपभोक्ताओं और बिजली कंपनी के समय और संसाधनों की भी बचत हो रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि उपभोक्ताओं को नवीन विद्युत कनेक्शन प्रदान किये जाने के लिये कंपनी की अत्यंत पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल https://saralsanyojan.mpcz.in:/fetch_samagra_detail पर उपलब्ध है। इसके माध्यम से कंपनी द्वारा नवीन कनेक्शन बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के जारी किये जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को नवीन कनेक्शन के लिये मात्र दो दस्तावेज क्रमशः आवेदक का पहचान पत्र एवं परिसर के स्वामित्व या अधिवास संबंधी साक्ष्य ऑनलाइन अपलोड करना आवश्यक होता है।

रक्षा राज्य मंत्री ने भोपाल में एनसीसी के विशेष संयुक्त राज्य अनुसंधान एवं विकास सम्मेलनक का उद्घाटन किया

भोपाल, नप्र।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के प्रतिष्ठित संयुक्त राज्य प्रतिनिधि और अतिरिक्त / उप महानिदेशक सम्मेलन का उद्घाटन माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, भोपाल (म0प्र0) में 3 जून को किया। उनके आगमन पर, माननीय मंत्री जी का स्वागत लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, डीजीएनसीसी ने किया, जिन्होंने स्वागत भाषण भी दिया।

इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री, युवा एवं खेल मंत्री, रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा एनसीसी कार्यालय के मामलों को संभालने वाले राज्य विभागों के प्रतिनिध, सभी राज्यों के एनसीसी प्रमुख और डीजीएनसीसी मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन का मुख्य एजेंडा एनसीसी में 3 लाख कैडेटों का विस्तार करना था, जिसके लिए कई

राज्यों ने पहले ही अपनी सहमति दे दी है। राज्यों ने इस विस्तार को समर्थन देने के लिए आवश्यक संबंधित प्रशिक्षण अवसंरचना परियोजनाओं की त्वरित मंजूरी और सुविधा का भी आश्वासन दिया। डीजीएनसीसी ने एनसीसी की प्रगति और उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य के विस्तार की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा भी बताई, विशेष रूप से कैडेटों की प्रेरणा और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए सभी राज्यों में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रशिक्षण और शिविर अवसंरचना की स्थापना पर जोर दिया। अपने संबोधन में रक्षा राज्य मंत्री ने राष्ट्र निर्माण में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराया, तथा नेतृत्व कौशल विकसित करते हुए अनुशासित, जिम्मेदार और प्रेरित युवाओं को तैयार करने में इसकी प्रभावशीलता पर ध्यान दिलाया।

विस्तार से एनसीसी प्रशिक्षकों के रूप में भूतपूर्व सैनिको (ईएसएम) के लिए रोजगार के अवसर भी खुलते हैं, जिसकी पहल हो चुकी हैं। माननीय रक्षा राज्य मंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान जैसी राष्ट्रीय योजनाओं में एनसीसी की भागीदारी की सराहना की, तथा पांरपरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ समाज कल्याण के लिए कोर की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की जयंती पर कार्यक्रम

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में सोमवार को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की जयंती पर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, घुमंतु एवं अर्ध्द घुमंतु कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने स्व. बाबूलाल गौर की प्रतिमा पर श्रध्दा सुमन अर्पित किए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि आज का दिन राजनीति के क्षेत्र में सादगी और शुचिता के प्रतीक विनम्र, सहज और सरल व्यक्तित्व के धनी, आदर्श के केन्द्र बाबूजी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री बाबूलाल गौर के आदर्शों पर चलने का संकल्प का दिन है। मैं उनकी ऐसी बेटी हूँ, जिसका मार्गदर्शन उन्होनें पल-पल पर किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार ने किया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने बताया कि महाविद्यालय में श्री बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से राजनीति एवं समाज विज्ञान के विद्यार्थी श्री गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर पीएच.डी. कर सकते हैं। इस अवसर पर गोविन्दपुरा क्षेत्र के विभिन्न पार्षदगण, वरिष्ठ समाजसेवी, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों ने बाबूजी की प्रतिमा पर श्रध्दा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर नोबल मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल एवं कार्डियक सेंटर भोपाल तथा श्री साँई वेलनेस फिट जोन भोपाल द्वारा लगाये गये शिविर में कई लोगो ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण भी कराया। आज ही वरिष्ठ समाजसेवी श्री पच्छ खामरा जी को जनभागीदारी समिति का सदस्य मनोनीत किया गया।

दादाजी धाम मंदिर में गायत्री जन्मोत्सव एवं गंगा दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिन गुरुवार को गायत्री माता जी का जन्मोत्सव एवं गंगा दशहरा पर्व पर प्रात: 10 बजे से गायत्री मां की पूजन, मां गंगा की पूजन के बाद में गायत्री यज्ञ किया जाएगा। आरती के पश्चात भजन कीर्तन किए जाएंगे इसके पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। सोमवार को दादाजी धाम मंदिर में महिलाओं भक्तों द्वारा भजन कीर्तन किए गए।

बीएचईएल यूनियन ने ज्ञापन सौंपा

भोपाल। बीएचईएल भोपाल कि प्रतिनिधि यूनियन ऐबू संबद्ध निफ्टू का एक प्रतिनिधिमंडल बीएचईएल भोपाल के मानव संसाधन प्रमुख संतोष कुमार गुप्ता एवं अपर महाप्रबंधक (एचआर/आईआर) आरिफ सिद्दीकी से मिला एवं ज्ञापन सौपा जिसमें कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से रखा यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष सोनी ने बताया कि हमारे द्वारा प्रबंधन के सामने अतिज्वलंत मुद्दों को रखा है जिसका निराकरण होना अत्यंत आवश्यक है इन मुद्दों में मुख्य रूप से कारपोरेट प्रबंधन द्वारा वर्तमान में बीएचईएल प्रबंधन द्वारा सेवारत कर्मचारी के पत्नी और बच्चों को प्रबंधन आश्रित मानकर कर्मचारी के समान चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है जबकि कर्मचारी के माता पिता जो उन पर पूर्ण आश्रित होते है और उम्र के इस पड़ाव में उन्हे ही ज्यादा चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता होती है बीएचईएल प्रबंधन द्वारा आश्रितों में भेदभाव कर माता पिता को जनरल वार्ड का एंटाइटलमेंट दिया जाता है जो की सरासर गलत है।ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉईज यूनियन प्रबंधन से मांग करती है कि शीघ्र इसमे सुधार कर सभी आश्रितों को कर्मचारी के समान सुविधा प्रदान की जाए। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधिमंडल में ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉइज यूनियन संबद्ध निफ्टू की ओर से कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष सोनी,कोषाध्यक्ष विशाल वाणी ,संगठन सचिव राजमल बैरागी,कार्यालय मंत्री योगेश देवस्कर एवं चिकित्सा सलाहकार समिति के सदस्य रमेश कुराड़िया उपस्थित हुये।

व्यापारियों की सुरक्षा की मांग को लेकर सांसद आलोक शर्मा को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। शहर में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर अब व्यापारी वर्ग मुखर हो गया है। हाल ही में अठवानी परिवार के दो सदस्यों पर हुए जानलेवा हमलों के विरोध में घोड़ा निकास मोबाइल एसोसिएशन ने आज सांसद आलोक शर्मा को ज्ञापन सौंपा और समयबद्ध व निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। 22 मार्च को हनुमानगंज थाना क्षेत्र में मनीष अठवानी पर धारदार हथियार से हमला कर लूट का प्रयास किया गया, जबकि 31 मई को शाहजहांबाद थाना क्षेत्र में राजेश अठवानी पर हमला कर नकदी लूट ली गई और उनके सिर में 9 टांके आए। चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों हमलों में पीड़ित एक ही परिवार से हैं, जिससे सुनियोजित आपराधिक साज़िश की आशंका गहराती है। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद सांसद आलोक शर्मा ने भरोसा दिलाया कि वे स्वयं व्यापारियों के साथ भोपाल पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर मामले की गंभीरता बताएंगे और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने हेतु हर संभव प्रयास करेंगे ज्ञापन सौंपते समय एसोसिएशन अध्यक्ष देव तिवारी, गुरुनानक टेकरी मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा, व्यापारी सदस्य सोनू खटवानी, प्रकाश अठवानी सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण मौजूद रहे।

स्वस्थ यकृत मिशन के तहत नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज स्क्रीनिंग प्रारंभ

भोपाल। नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज की स्क्रीनिंग के लिए चलाये जा रहे स्वस्थ लीवर मिशन के पहले दिन 2191 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। कार्यक्रम में 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की स्क्रीनिंग जा रही है। स्क्रीनिंग में ऊंचाई, वजन, कमर के माप की गणना की जा रही है। फैटी लीवर के संभावित संदिग्ध श्रेणी के मरीजों की जानकारी संधारित की जा रही है। इन लोगों में चिकित्सकीय सलाह पर अन्य जांचों के माध्यम से फैटी लीवर होने की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा। ये अभियान लीवर संबंधी बीमारियों की जागरुकता, प्रारंभिक पहचान, उपचार और रोकथाम के लिए चलाया जा रहा है। मिशन के तहत प्रारम्भिक स्क्रीनिंग में मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा बीएमआई , सीबैक स्कोर एवं कमर का माप लिया जा रहा है। बीएमआई

23 से अधिक होने, महिलाओं में कमर का माप 80 सेमी और पुरुषों में 90 सेमी से अधिक होने पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में जांच के लिए रेफरल किया जा रहा है। अभियान के पहले दिन 1978 व्यक्तियों की बी एम आई स्क्रीनिंग में 565 का बीएमआई अधिक पाया गया। 867 पुरुषों की स्क्रीनिंग में 211 और 1324 महिलाओं में से 407 की कमर का माप निर्धारित मापदंडों से अधिक मिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज एक प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्या बनकर उभर रही है जो कि मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसे बीमारियों से संबंधित है। समय पर पहचान कर प्रबंधन और जोखिम कारकों को कम किया जा सकता है।

स्वत्ताधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576